आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, गुरुवार 11 दिसंबर 2025

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 39

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

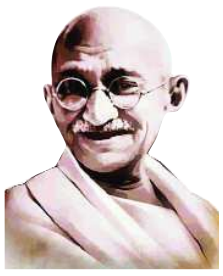

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

कल निकलेगी बाबा रणजीत की प्रभातफेरी

पेज-2

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना जलवा दिखाया सेनन ने

पेज-5

17 सालों से रेल की उम्मीद जल्द होगी पूरी

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी श्रद्धांजलि
- पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए जासूसी करते दो संदिग्ध अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर में गिरफ्तार
- भगोड़े लूथरा ब्रदर्स हिरासत में, गोवा नाइट क्लब अग्निकांड के बाद भाग गए थे थाईलैंड
- हाईकोर्ट ने कर्नाटक सरकार को लगाई फटकार, जन औषधि केंद्र बंद करने का आदेश खारिज
- मिसाइल परीक्षण की तैयारियों के बीच भारत ने जारी किया नोटिस, 2520 किमी तक खतरे का जोन घोषित किया
- सिरप स्कैम केस : साजिशकर्ताओं के देश छोड़कर भागने की जानकारी मिलने पर नेपाल पहुंची यूपी एसटीएफ
- यूएनएससी में भारत ने अफगानिस्तान में पाक एयरस्ट्राइक और निर्दोषों की मौत की कड़ी निंदा की
- केरल में स्थानीय निकाय चुनाव फेज-2 : सात जिलों में मतदान शुरू
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आज से दो दिवसीय मणिपुर दौरा, विभिन्न कार्यक्रमों और बैठकों में होंगी शामिल

इंदौर-उज्जैन 6 लेन सड़क 17 किमी बनी, लेकिन पुल-पुलिया का निर्माण धीमा

सड़क डायवर्शन से एक घंटे का सफर ढाई घंटे में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर-उज्जैन के बीच अब लंबी-चौड़ी 6 लेन सड़क नजर आने लगी है। 4 लेन सड़क को 6 लेन में बदलने का काम तेजी के साथ किया जा रहा है। एक साल में सड़क निर्माण का काम 37 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जिससे इंदौर-उज्जैन के बीच अलग-अलग हिस्सों में 17 किलोमीटर सड़क दोनों छोर 6 लेन हो चुकी है। यहां चौड़ी और सपाट सड़क पर वाहन तेज भर्राटे भरते हैं, लेकिन दो-तीन किलोमीटर के बाद सड़क डायवर्शन गति धीमी कर देते हैं, वहीं दूसरी सड़क पर फ्लाईओवर और जंक्शन निर्माण की गति धीमी है। सड़क निर्माण का भूमिपूजन 19 सितंबर 2024 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया था।

शिप्रा ब्रिज के लिए पाइलिंग नहीं- वहीं 6 लेन सड़क पर 8 फ्लाई ओवरब्रिज और एक शिप्रा का पुल तैयार होना है। अभी एक ब्रिज का निर्माण पूरा नहीं हुआ है। शिप्रा पर ब्रिज निर्माण के लिए अभी पाइलिंग भी नहीं हुई है, वहीं निनोरा और सांवेर के बीच एक ब्रिज का काम 60 प्रतिशत पूरा हुआ है, जबकि बाकी के केवल पिलर खड़े हुए हैं। इस लिहाज से यह काम धीमी गति से चल रहा है। स्ट्क्वल इंजीनियर अतुल सेठ ने बताया कि काम की गति बढ़ाने की जरूरत है। काम में देरी होने से वाहन चालकों की परेशानी के साथ अतिरिक्त ईंधन की खपत

होती है। सड़क खराब से कई अप्रत्यक्ष नुकसान भी होते हैं, जैसे स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव, वाहनों की उम्र काम होना।

हर दिन 2 किलोमीटर सड़क निर्माण- इंदौर और उज्जैन के बीच का सफर 2 लेन सड़क से 1 घंटे 25 मिनट में पूरा हो जाता था, लेकिन 6 लेन सड़क निर्माण के कारण दो घंटे लग रहे हैं। यात्री बसों की बात की जाए तो ढाई घंटे तक लग रहे हैं, क्योंकि जहां सड़क का डायवर्शन किया गया है, वहां गड्ढे गड्ढे हैं। एमपीआरडीसी डिवीजन मैनेजर राकेश जैन ने बताया कि हम सड़क निर्माण का काम तय समयसीमा में पूर्ण करेंगे। सड़क निर्माण तेजी से चल रहा है। प्रतिदिन लगभग 2 किलोमीटर बनाई जा रही है। इसमें जर्मन मशीनों का उपयोग किया जा रहा है।

पेड़ों की शिफ्टिंग और ट्रांसप्लांट में लगा समय- डिवीजनल मैनेजर जैन ने बताया कि सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं थी। सितंबर-2024 से सड़क का निर्माण कार्य आरंभ किया गया। पेडों की शिफ्टिंग और ट्रांसप्लांट में समय अधिक लगा, लेकिन अब तेजी से

काम चलेगा। सड़क निर्माण पूर्ण करने की समयसीमा जनवरी-2026 है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए नवीन तकनीक आधारित जर्मन मेड एफडीआर और मशीन विद मल्टीप्लेक्स मशीन का उपयोग पहली बार किया जा रहा है।

इन शर्तों पर सड़क निर्माण

1. 6 लेन सड़क का 15 साल तक ऑपरेशन-मेंटेनेंस निर्माण एजेंसी करेगी।
2. सड़क की सभी सुरक्षा प्रबंधन को करना होगी।
3. शिव शैली में सडक की सजावट, उज्जैन के प्रतीक चिह्न बनाए जाएंगे
4. उज्जैन के हरिफाटक पुल से इंदौर में स्थित अरबिंदो अस्पताल तक बनेगी सड़क
5. इंदौर-उज्जैन में 14-14 किमी सड़क पहले बनाई जाएगी।
6. सड़क 29 गांवों से होकर गुजरेगी, जिनमें 20 गांव इंदौर जिले और 9 गांव उज्जैन जिले के हैं।
7. रवि इन्फ्रा बिल्ड कंपनी सड़क का कर रही निर्माण।

आशीर्वाद

इंदौर ● अल्प प्रवास पर इंदौर पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक गोलू शुक्ला के निवास पर पहुंचकर उनके बेटे अजनेश शुक्ला को विवाह की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा भी उपस्थित थे।

एक लाख से अधिक 'अमान्य' मतदाताओं को दस्तावेज़ प्रस्तुत करने के लिए नोटिस मिलेगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जिले के मतदाताओं से आग्रह किया जा रहा है कि वे तुरंत अपनी स्थिति की जांच करें, एसआईआर प्रक्रिया पूरी करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनका नाम 1.25 लाख 'अमान्य' मतदाताओं में शामिल नहीं है।

जिन लोगों ने अभी तक अपना जनगणना फॉर्म जमा नहीं किया है, उनके लिए बूथ स्तरीय अधिकारी के माध्यम से या ऑनलाइन स्ट्रक फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर है। अनुमानित 1.25 लाख 'अमान्य' मतदाताओं को अपना नामांकन सत्यापित करने के लिए दस्तावेज़ प्रस्तुत करने का नोटिस प्राप्त होगा। यह सूचना प्राप्त होने पर, उन्हें दावा एवं आपत्ति अवधि के दौरान सुनवाई में उपस्थित होना होगा और चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 12 दस्तावेजों में से एक को अपनी राष्ट्रीयता के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करना होगा। यह दस्तावेज पहचान और निवास दोनों का प्रमाण होना चाहिए। सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की सुविधा के लिए क्लस्टर स्थापित किए जाएंगे। एसडीएम अजीत श्रीवास्तव ने बताया, 'जो मतदाता अपनी पात्रता साबित कर देंगे, उन्हें अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा।' सत्यापन के बाद यदि किसी व्यक्ति का नाम सूची से हटा दिया जाता है, तो वे वैध पते और फोटो प्रमाण के साथ नया फॉर्म 6 जमा करके पुनः पंजीकरण करा सकते है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि उन्हें भविष्य में मतदान करने से स्थायी रूप से प्रतिबंधित नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री सचिवालय पहुंचा प्रस्ताव, हटेगी कर्मचारियों के लिए दो बच्चों की सीमा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र सरकार ने अपने कर्मचारियों को दो से ज्यादा बच्चे पैदा करने से नहीं रोकने की तैयारी कर ली है। सामान्य प्रशासन विभाग ने मुख्यमंत्री सचिवालय को सरकारी कर्मचारियों पर वर्ष 2001 से लागू दो बच्चों की सीमा हटाने का प्रस्ताव भेज दिया है। इसे मंजूरी मिलने के बाद प्रदेश के सरकारी कर्मचारी जितने चाहें, उतने बच्चे पैदा कर सकेंगे। पिछले तीन महीने से विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श के बाद दो बच्चों की सीमा हटाने के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया गया है। सीएम सचिवालय से हरी झंडी मिलने के बाद इसे कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। कैबिनेट से स्वीकृति मिलते ही यह लागू हो जाएगा। प्रदेश में 7 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारी है। सामान्य प्रशासन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकारी कर्मचारियों के लिए दो बच्चों की सीमा जल्द हटा ली जाएगी। फिलहाल सरकार इस सीमा को हटाने के लिए सही समय के आने का इंतजार कर रही है।

यह मुद्दा पहली बार तब उठा, जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने पिछले साल एक दिसंबर को नागपुर में चेतावनी दी थी कि कम से कम तीन बच्चे होने चाहिए। दस महीने तक इस

मुद्दे को दवाए रखने के बाद मप्र सरकार ने अक्टूबर में संकेत दिया कि वह सरकारी कर्मचारियों पर दो बच्चों की सीमा हटाने के लिए राज्य मंत्रिमंडल में एक प्रस्ताव लाएगी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया और उसे सरकारी अधिकारियों को भेज दिया गया। मप्र में सरकारी नौकरियों पर दो बच्चों की सीमा 2001 से लागू है। एक बार सीमा हटने के बाद तीसरा बच्चा पैदा करने वाले किसी भी सेवारत अधिकारी या कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त नहीं किया जाएगा। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि उच्च स्तर से मिले निर्देशों के बाद इस संबंध में कवायद शुरू कर दी गई है। 24 साल पहले जनसंख्या नियंत्रण की चुनौतियां देख कांग्रेस की तत्कालीन दिग्विजय सिंह की सरकार ने 2001 में मप्र सेवा भर्ती सामान्य शर्ते नियम 1961 के नियम में बदलाव किया था।

बीआरटीएस के लिए गठित कमेटी ने कहा-

15 दिसंबर को हाईकोर्ट में पेश करना है रिपोर्ट वकील बोले- दो महीने से एक स्टेशन नहीं हटा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● बीआरटीएस तोड़ने के लिए लगातार हो रही देरी और इसकी निगरानी के लिए बनाई गई कमेटी ने बुधवार को निरीक्षण किया। कमेटी में हाईकोर्ट के छह वकील शामिल थे। कमेटी ने बताया कि हम नगर निगम के काम से संतुष्ट नहीं हैं। 15 दिसंबर को इस मामले में हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश करना है। हम कोर्ट को वस्तु स्थिति से अवगत कराएंगे। कमेटी के प्रमुख एडवोकेट गिरीश पटवर्धन ने कहा - राजीव गांधी चौराहा से पलासिया तक का निरीक्षण किया। बीआरटीएस हटाने का जो काम है वो संतोषजनक नहीं है। रेलिंग भी रास्ते में पड़ी थी। धूल का गुबार उठ रहा है। बस स्टेशनों को तोड़ने के लिए काफी लंबा समय लग रहा है। शिवाजी वाटिका के सामने वाले स्टेशन को दो माह से ज्यादा समय हो गए पर टूटा ही नहीं। 15 दिसंबर तक हमें हाईकोर्ट में यहां की स्थिति की रिपोर्ट पेश करना है।

नगर निगम की ओर से आए प्रतीक अहीरवाल, श्रीकांत काटे ने कहा कि हमें

तो एक ही ओर की रेलिंग हटाने के निर्देश हैं। एडवोकेट पटवर्धन ने कहा कि हमें यह पता है कि ऐसा कोई आदेश नहीं है। दोनों तरफ की रेलिंग हटाई जाना है।

हाईकोर्ट ने बनाई थी कमेटी

1 दिसंबर को सुनवाई के दौरान बीआरटीएस तोड़ने का पूरा काम तीन माह में पूरा होने की जानकारी दी गई थी, लेकिन एक लेन की रेलिंग का काम 15 दिन में पूरा करने का आश्वासन दिया गया। इस पर कोर्ट ने एक मॉनिटरिंग कमेटी बना दी।

इस कमेटी में एडवोकेट गिरीश पटवर्धन, एनएस भाटी, कौस्तुभ पाठक, अजयराज गुप्ता, प्रद्युम्न किबे और जय शर्मा को लिया गया है। यह कमेटी बीआरटीएस रिमूवल कार्रवाई की रिपोर्ट 16 दिसंबर को होने वाली अगली सुनवाई पर कोर्ट के समक्ष पेश करेगी।

इसी तरह जस्टिस विजयकुमार शुक्ला एवं जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी की डिवीजन बेंच ने यह भी निर्देश दिए हैं कि अगली सुनवाई पर कलेक्टर एवं निगमायुक्त के साथ डीसीपी ट्रैफिक भी व्यक्तिगत रूप से हाजिर रहें।

शहर की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर हाईकोर्ट में दायर अलग-अलग तीन जनहित याचिकाओं पर कल सुनवाई हुई थी। इसमें कोर्ट के निर्देश पर कलेक्टर एवं निगमायुक्त व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए थे। इस दौरान शहर के ट्रैफिक सुधार को लेकर हाईकोर्ट ने कई बिंदुओं पर नाराजगी जताई थी।

प्रदर्शन मंत्री प्रतिमा बागरी के रिश्तेदारों पर गांजा तस्करी का आरोप, युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया

मंत्री की मुश्किलें बढ़ीं, अब भाजपा हाईकमान तक पहुंचा मामला

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र की मंत्री प्रतिमा बागरी की मुश्किलें बढ़ती जा रहीं हैं। उनके रिश्तेदारों की गांजा तस्करी में गिरफ्तारी का मामला बीजेपी हाईकमान तक पहुंच गया है। बताया जा रहा है कि सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने राष्ट्रीय नेतृत्व को मामले की जानकारी दी है। मंत्री प्रतिमा बागरी के भाई और बहनोई गांजा तस्करी में पकड़ाए हैं। विवाद बढ़ने के बाद उन्होंने सार्वजनिक रूप से तस्करों से किसी भी प्रकार के संबंध होने से साफ इंकार कर दिया था। इधर बुधवार को सुबह युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंत्री की नेमप्लेट पर कालिख पोत दी। इसके बाद उनके बंगले की सुरक्षा बढ़ाई गई है।

प्रदेश की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी सतना जिले की रैगांव से विधायक हैं। उनके भाई अनिल को गांजा तस्करी में गिरफ्तार किया गया है। कुछ दिन पहले मंत्री प्रतिमा बागरी के बहनोई को भी तस्करी के मामले में यूपी में गिरफ्तार किया जा चुका है। सगे भाई और बहनोई को तस्करी के मामले में पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी बुरी तरह घिर गई हैं। जहां कांग्रेस उनसे इस्तीफा मांगते हुए प्रदर्शन कर रही है, वहीं राज्य सरकार पर भी निशाना साधा जा रहा है। प्रदेश में बीजेपी सत्ता और संगठन को इस मुद्दे पर जवाब देना कुछ मुश्किल साबित हो रहा है। भाई अनिल बागरी और बहनोई शैलेंद्र सिंह की करतूतों के कारण राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी का राजनैतिक कैरियर दांव पर लगता दिख रहा है। ऐसे में उन्होंने भाई और बहनोई, दोनों से खुद को सार्वजनिक रूप से अलग कर लिया है। मंत्री प्रतिमा बागरी ने साफकह दिया कि कोई भी खुद को रिश्तेदार बना लेता है, मेरा उनसे कोई संबंध नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी अपराधी होगा, उनपर कठोर कार्रवाई होगी। पुलिस प्रशासन अपना काम करेगा। हालांकि मंत्री प्रतिमा बागरी ने पार्टी को कुछ अलग ही सफाई पेश की। बीजेपी संगठन और सीएम मोहन यादव के समक्ष उन्होंने स्वीकारा कि अनिल बागरी उनका भाई है, लेकिन बहनोई शैलेंद्र सिंह से उनका कोई नाता नहीं है। इस बीच राष्ट्रीय नेतृत्व को भी पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है। बताया जा रहा है कि सीएम डॉ. मोहन यादव और बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष को मामले से अवगत कराया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को पूरा मामला बताया गया है। भाई और बहनोई के गांजा तस्करी के पकड़े जाने पर कांग्रेस नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी का इस्तीफा मांग रही है। बुधवार को तो युवक कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने 74 बंगला स्थित मंत्री के बंगले पर लगी नेम प्लेट पर कालिख पोत दी। भोपाल युवा कांग्रेस के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अमित खत्री के नेतृत्व में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

इंटर्नशिप के नाम पर भ्रष्टाचार छात्रों से की जा रही है वसूली!

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● होलकर विज्ञान महाविद्यालय में छात्र शोषण व प्रशासनिक अनियमितताओं पर गंभीर सवाल छात्र नेताओं ने उठाए हैं। महाविद्यालय में इंटर्नशिप के नाम व्यापक भ्रष्टाचार, छात्रों से अवैध वसूली व प्रशासनिक मिलीभगत को लेकर जयस छात्र संगठन ने कार्यवाही की मांग की। संगठन की मांग है कि उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की जाए। महाविद्यालय प्रशासन व संबंधित कंपनी के खिलाफएफआईआर दर्ज हो, छात्रों के पैसे तुरंत लौटाए जाएं साथ ही दोषी अधिकारियों को निलंबित किया जाए। छात्र संगठन ने बिना निविदा निजी कंपनी से एमओयू, सीधे आर्थिक हित साधने का आरोप लगाया। कहा कि बिना किसी टेंडर/निविदा प्रक्रिया के निजी कंपनी के साथ एमओयू साइन करना और मेंटर्स द्वारा बिना पेमेंट रिसिप्ट मार्क्स न देने की धमकी देना स्पष्ट करता है कि इस पूरे मामले में महाविद्यालय प्राचार्य व प्रशासनिक अधिकारी की सीधी भूमिका रही है। इसके अलावा भी कई तरह के आरोप लगाए गए हैं।

वसूली का घोटाला

छात्र संगठन का कहना हैं इंटर्नशिप के नाम पर छात्रों से करोड़ों रुपए की वसूली की गई है। इसकी उच्च-स्तरीय जांच जरूरी है। जब छात्रों ने पैसा वापस मांगा, तो उन्हें डराया-धमकाया गया, जो पूरी तरह दमनकारी और दंडनीय कृत्य है।

न्यूज ब्रीफ

राज्यपाल मंगुभाई पटेल गुरूवार को इंदौर में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्यपाल मंगुभाई पटेल 11 दिसम्बर को देवी अहिल्याबाई होलकर एयरपोर्ट इंदौर आएंगे। इंदौर में वे विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल मंगुभाई पटेल ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर पहुँचेंगे। वे यहाँ ग्रैंड हॉल में आयोजित 'न्यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के 73वे वार्षिक सम्मेलन एनएसआईकॉन 2025' कार्यक्रम में शामिल होंगे। राज्यपाल पटेल दोपहर 3 बजे उज्जैन रोड पर स्थित श्री वैष्णव इंजीनियरिंग कॉलेज के पास श्री मुरारीलाल तिवारी गौशाला का भ्रमण करेंगे।

69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 11 से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर में तीन दिवसीय 69वीं राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का आयोजन 11 दिसंबर से 13 दिसंबर तक किया जाएगा। 69वें राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता की संगठन सचिव एवं जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. शांता स्वामी भार्गव ने बताया कि यह प्रतियोगिता स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में स्क्वैश अंडर-19 बालक-बालिकाओं की स्पर्धा होगी। इस राष्ट्रीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह 11 दिसंबर को दोपहर 1 बजे से एबी रोड़ बायपास स्थित बाल्याखेड़ा होटल शेरेटान के पास एमराल्ड हाइट्स वर्ल्ड स्कूल में होगा।

स्वतंत्रता सेनानी वीर लहुजी उस्ताद के नाम से मार्ग करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मांग मातंग समाज केंद्रीय संचालन समिति के उत्तम राव जाधव रामचंद्रन शिव लखन तायडे सुधाकर खडसे संजय आचावरे वासुदेव अवसर माल मारुति सोनोने अभिराज खंडारे ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि चंद्रभागा गौतमपुरा पंडित नाथ मच्छी बाजार तक के मार्ग का नाम स्वतंत्रता सेनानी वीर लहुजी उस्ताद के नाम से किया जाए जिससे उनके मार्गदर्शन में बाल गंगाधर तिलक वीर सावरकर बलवंत फड़के महात्मा ज्योतिबा फुले देश व समाज के लिए अपना सर्वोच्च समर्पण किया।

कलेक्टर ने फिर दिखाई मानवीय संवेदनशीलता, बेसहारा अम्मा का तुरंत कराया उपचार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा ने एक बार फिर अपनी मानवीय और संवेदनशील कार्यशैली का परिचय दिया। जनसुनवाई में उपचार के लिए आई बेसहारा वृद्धा भारती ने कलेक्टर श्री वर्मा को बताया कि इस संसार में उनका कोई सहारा नहीं है और उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। कलेक्टर वर्मा ने उनकी व्यथा को गंभीरता से सुनते हुए तत्काल स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक चिकित्सा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मानपुर स्थित मेसर्स माहेश्वरी एग्रो सेल्स के प्रोपरायटर के विरूद्ध एफआईआर दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर के निर्देशानुसार इंदौर जिले में सघन गुण नियंत्रण अंतर्गत गत दिवस जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल एवं विकास खण्ड स्तरीय गुण नियंत्रण दल, महू द्वारा संयुक्त रूप से मेसर्स माहेश्वरी एग्रो सेल्स धार रोड मानपुर के प्रतिष्ठान एवं गोदामों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रतिष्ठान के प्रोपरायटर श्री रजत अजमेरा द्वारा निमरानी खरगोन में अनुदानित यूरिया का अवैध रूप से परिवहन एवं विक्रय किया जाना पाया गया। जिस पर उर्वरक निरीक्षक सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी महू के द्वारा मेसर्स माहेश्वरी एग्रो सेल्स धार रोड मानपुर के प्रोपरायटर श्री रजत अजमेरा के विरुद्ध पुलिस थाना मानपुर में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई है।

छात्रों की समस्या को हल करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बना मददगार

डीएवीवी में 10 दिनों में आई कुल 20 शिकायतें

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के छात्रों की समस्याओं को हल करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म मददगार साबित हो रहा है। ई समाधान एप के माध्यम से छात्र घर बैठे या कहीं से भी अपनी शिकायत दर्ज कर रहे हैं। ई-समाधान एप के माध्यम से मार्कशीट, हॉस्ल, रैगिंग और अन्य समस्याओं के लिए शिकायत दर्ज करने की सुविधा है। एप की लांचिंग के बाद से 10 दिन में 20 शिकायतें विश्व विद्यालय को मिली है, जिसमें सभी का निराकरण हो गया है।

दो दिन में हल कर दी समस्या-इसमें मुख्य रुप से जो शिकायतें विश्वविद्यालय को मिली है वह रिव्यू और मुख्य परीक्षा का रिजल्ट, मार्कशीट, डिग्री, माइग्रेशन की समस्या सबसे अधिक है। प्रबंधन के अनुसार एप को कुछ इसतरह से डिजाइन किया गया है कि इसमें छात्र की समस्या क्या है उस कैटेगरी का चयन करने के बाद ही शिकायत दर्ज की जा सकती है। एप का प्रतिदिन एनालिसिस एक्सपर्ट करते हैं। अमूमन सभी शिकायतों का समाधान 2 दिन में ही कर दिया गया, लेकिन प्रबंधन ने सभी समस्या का समाधान करने के लिए तीन दिन का अधिकतम समय निर्धारित किया है। किसी विद्यार्थी की शिकायत एप पर आने के तीन दिन के अंदर उसका निराकरण विश्वविद्यालय स्तर पर किया जा

रहा है। छात्रों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं के समाधान में आसानी हो रही है और उन्हें अलग-अलग विभागों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे। एप में छात्रों की आम समस्याओं को अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया है ताकि उन्हें आसानी से शिकायत दर्ज करने और समाधान प्राप्त करने में सुविधा हो। इसमें शैक्षणिक, परीक्षा, हॉस्टल, प्रवेश, वित्तीय आदि विषयों के समाधान के लिए प्रबंधन सुविधा है। प्रत्येक अपडेट पर एसएमएस, ईमेल अलर्ट व विस्तृत रिपोर्ट और परफॉर्मेंस डैशबोर्ड उपलब्ध है। इसके अलावा समाधान की स्थिति का रीयल टाइम मॉनिटरिंग प्रबंधन, रोल बेस्ड लॉगिन (विद्यार्थी, अधिकारी, प्रशासक आदि) और सुरक्षित व गोपनीय डेटा प्रबंधन शामिल है।

24 घंटे 7 दिन उपलब्ध है सुविधा-विद्यार्थियों के लिए सरल और पेपरलेस समाधान प्रक्रिया के अलावा त्वरित कार्यवाही और पारदर्शी संचार है। इसमें 24 घंटे 7 दिन समाधान प्रदान करने की सुविधा उपलब्ध है। डीएवीवी के अभिनव ई-समाधान एप तकनीकी टीम ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। परीक्षा नियंत्रक प्रोफेसर अशेष तिवारी, सहायक कुलसचिव डॉ. विष्णु नारायण मिश्र और उनकी टीम की ओर से तैयार यह एप विद्यार्थियों की शैक्षणिक समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा उपलब्ध है।

एमएससी फायनल का रिजल्ट घोषित-देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने बुधवार को एमएससी फायनल का रिजल्ट घोषित किया। एमएससी फायनल फिजिक्स, माइक्रो बायोलॉजी, फार्मा केमिस्ट्री और बायो केमिस्ट्री के तीसरे सेमेस्टर का रिजल्ट विश्वविद्यालय ने जारी किया है। इससे पहले विश्वविद्यालय ने एमएससी मिलिट्री साइंस, ह्यूमन डेवलपमेंट, फूड एंड न्यूट्रिशियन, टेक्सटाइल एंड क्लॉथिंग का रिजल्ट घोषित किया।

पतंग दुकानों पर अब लगाए पुलिस ने बोर्ड

टीआई, उपनिरीक्षक और आरक्षकों के नंबर पर लेंगे जानकारी, रखा जाएगा नाम गोपनीय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सात दिन पहले चाइनीज मांझा से नाबालिग की मौत हो गई थी। उसके दोस्तों को भी चोट आई थी। इसके बाद पुलिस ने वृहद पैमाने पर चाइनीज मांझा जब्ती का क्रम शुरू किया था। अभियान को मुकाम तक पहुंचाने पुलिस कमिश्नर के आदेश पर सम्पूर्ण शहर में पतंग दुकानों पर कार्रवाई की गई। इस दौरान दुकानों से 1200 से अधिक मांझा रोल के साथ दुकानदारों को गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान ही चार दिन पहले ही दो अन्य लोग भी शिकार हो गए थे। पुलिस केवल दुकानदार को पकड़कर कर्तव्य की इतिश्री करने में लगी है, जबकि चाइनीज मांझा दुकानों पर डिलीवर करने वालों तक पुलिस नहीं पहुंच पाई।

ड्रोन भी नहीं आ रहे काम: पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने आधुनिक ड्रोन का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है, लेकिन यह ड्रोन उन पतंगबाजों तक नहीं पहुंच पा रहा है, जो चाइनीज मांझा का उपयोग कर रहे हैं। अब पुलिस ने पतंग दुकानों पर चाइनीज मांझा को लेकर बोर्ड लगाए हैं। बोर्ड में उल्लेख है कि चाइनीज मांझा की खबर देने वालों की सूचना गुप्त रखी जाएगी, साथ ही संबंधित थाने के टीआई, उपनिरीक्षक, बीट प्रभारी और आरक्षक का मोबाइल नंबर का भी उल्लेख किया है। पुलिस को भरोसा है कि इस तरह के बोर्ड से चाइनीज मांझा की बिक्री पर रोक लग जाएगी।

कुर्सी पर बैठा था... कुछ सेकंड में सब खत्म, फाइनेंस एजेंट को हार्ट अटैक, सीसीटीवी में कैद हुई आखिरी सांसें

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भंवरकुआं क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा सामने आया, जहां इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल फाइनेंस का काम करने वाले एक युवक की अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई। घटना दुकान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया। फुटेज में युवक अचानक कुर्सी से नीचे गिरता दिखाई देता है और फिर उठ नहीं पाता।

दुकान में बेहोश होकर गिर पड़ा-मृतक की पहचान 31 वर्षीय शिवनारायण मालवीय निवासी मूसाखेड़ी के रूप में हुई है। वह इंदौर में तीन ईमली चौराहे के पास स्थित अजय इंटरप्राइजेस मोबाइल स्टोर पर एक निजी फाइनेंस कंपनी के लिए काम करता था। रोज की तरह वह दुकान पहुंचा था और ग्राहकों का काम कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा।

डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया-दुकान कर्मचारियों ने तत्काल उसे नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के शुरुआती जांच में हार्ट अटैक की आशंका जताई गई है। हालांकि अंतिम पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगी।

शिवनारायण के बड़े भाई रामगोपाल ने बताया कि वह सुबह पूरी तरह ठीक था और रोज की तरह घर से काम पर निकला था। परिवार को दोपहर में दुकान से फोन आया कि वह अचानक चक्कर खाकर गिर पड़ा है। अस्पताल ले जाने तक उसकी हालत बेहद गंभीर थी। डॉक्टरों के अनुसार यह साइलेंट हार्ट अटैक का मामला हो सकता है। मृतक के घर में उसकी पत्नी और दो बेटे हैं। एक 5 साल का जबकि दूसरा ढाई साल का है। पिता की मृत्यु दस साल पहले हो चुकी है। परिवार मूल रूप से कन्नोद तहसील के महुरिया गांव का रहने वाला है।

कल निकलेगी बाबा रणजीत की प्रभातफेरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र से शुक्रवार सुबह चार बजे रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी निकलेगी। जिसमे दो लाख से अधिक लोगों के जुटने का अनुमान है। कड़ाके की ठंड में इतनी सुबह भक्तों का इतना जमावड़ा देश में शायद ही कही और होता होगा।

चारों तरफ भगवा पताकाएं, भजन गाती मंडलियां, भक्ती में डूबे लोगों का हुजूम सड़क पर नजर आएगा। मंदिर में चार दिनी उत्सव की शुरुआत हो चुकी है। बुधवार को दीपोत्सव मनाया गया तो गुरुवार को अनुष्ठान होगा। रात से ही रणजीत हनुमान मार्ग पर प्रभातफेरी की तैयारियां शुरू हो जाएगी। प्रभातफेरी को लेकर ट्रैफिक और सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए है।

सुबह चार बजे मंदिर परिसर से बाबा रणजीत अपने पारंपरिक रथ में सवार होकर निकलेंगे। इस दौरान भव्य आतिशबाजी होगी। प्रभातफेरी धीरे-धीरे महूनाका की तरफ बढ़ेगी। अन्नपूर्णा, दशहरा मैदान, नरेंद्र तिवारी मार्ग होते हुए प्रभातफेरी फिर मंदिर पहुंचेगी। रामायण पर आधारित दो झांकियों का निर्माण कराया जा रहा है। इसके अलावा दस से ज्यादा भजन मंडलियां भी प्रभातफेरी में चलेगी। प्रभातफेरी में शामिल भक्त नंगे पैर चलेंगे।

तीन मार्गों पर वाहन प्रतिबंधित-प्रभात फेरी के दौरान शहर में यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। 12 दिसबंर को सुबह तीन बजे से फूठीकोटी, उषा नगर, और अन्नपूर्णा मार्ग पर वाहन प्रतिबंधित रहेगा। इसके अलावा फूटी कोठी चौराहा से रणजीत हनुमान रोड होकर महुनाका चौराहा तक आवागमन बंद रहेगा। तीनों मार्ग पर ट्रैफिक गुरुवार रात दो बजे से शुक्रवार सुबह आठ बजे तक बंद रहेगा।

तीन स्थानों पर पार्किंग-कलेक्टोरेट की दिशा से आने वाले वाहन लालबाग परिसर में वाहन पार्क कर सकेंगे। गंगवाल क्षेत्र से आने वाले वाहन, सराफा स्कूल एमओजी लाइन में वाहन पार्क कर सकेंगे। अन्नपूर्णा मार्ग की तरफ से आने वाले वाहन दशहरा मैदान में वाहन पार्क सकेंगे।

कोटक महिंद्रा बैंक पर लोन की धोखाधड़ी के मामले में हुआ केस दर्ज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बैंक का लोन क्लोज करने के नाम पर शिक्षक दंपत्ति से एक बैंककर्मी और उसके पिता ने 52 लाख रुपए ठग लिए। आरोपियों ने शिक्षक दंपत्ति से नया लोन दिलाने के नाम पर कुछ चेक लिए थे। उन्हीं के जरिए व बैंक से रुपए निकाल लिए और दोनों बाप-बेटे भाग गए। दंपती ने आरोपियों को 5 लाख रुपए नकद भी दिए थे।

हीरानगर पुलिस ने सुरजीत सिंह बालिया की शिकायत पर आरोपी भगवान सिंह भदौरिया और उसके बेटे गोपाल भदौरिया निवासी मंगल नगर और साथी शिवम सोनी निवासी सर्वाहारा नगर के खिलाफ केस दर्ज किया है। बालिया ने पुलिस को बताया कि मैं मदरलैंड इंग्लिश स्कूल शिक्षा समिति का सचिव हूं और मेरी पत्नी अध्यक्ष है। हम इस स्कूल को भी संचालित करते हैं। हमने 2022 में कोटक महिंद्रा बैंक से लोन लिया था। बैंक में भगवान सिंह से मेरी पहचान हुई। उसने मुझे बताया कि मेरा बेटा गोपाल इसी बैंक में काम करता है। कोई काम हो तो बताना। फिर उसने गोपाल से मुलाकात करवाई। मैंने गोपाल को कहा कि मेरे लोन की किस्त ज्यादा आती है, कोई स्कीम हो तो बताओ। फिर उसने अकाउंट चेक कर कहा कि आप बहुत ज्यादा ब्याज दे रहे हो। आपको एक ओडी लिमट का अच्छा ऑफर है। यदि आप उसे लें तो आपका लोन अकाउंट बंद हो जाएगा और पैसे भी आपको मिल जाएंगे।

स्कूल आकर प्रलोभन दे गया-एक दिन गोपाल स्कूल आया और मेरी पत्नी ले डॉक्यूमेंट और ब्लैंक चेक और पांच लाख रुपए मांगे। हमने ब्लैंक चेक देने से मना किया तो उसने जीएम (जनरल मैनेजर) और केएम (कोटक महिंद्रा) के नाम से चेक मांगे। हमने भरोसा कर उसे 5 लाख रुपए और चेक दे दिए। बाद में हमने गोपाल को फोन लगाया तो मोबाइल बंद हो गया जब बैंक मैनेजर से संपर्क किया पता चला कि उनका लोन अकाउंट बंद ही नहीं हुआ है, लेकिन दिए गए चेक से आरोपियों ने 47 लाख अन्य खाते में ट्रांसफर करवा लिए।

स्वामी विवेकानंद योग स्पोर्ट्स प्रतियोगिता प्रारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कार्पोरेशन योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा श्री वैष्णव स्पोर्ट्स एकेडमी में आयोजित कि जा रही स्वामी विवेकानंद योग स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का शुभारंभ इंदौर कॉरपोरेशन योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन सचिव ईश्वर सिंह चौहान, स्कूल प्राचार्या एच. सी. तिवारी, श्री वैष्णव हाई सेकेंडरी स्कूल प्राचार्य नवीन मुद्गल, राधेश्याम शर्मा ने महर्षि पतंजलि मुनि के चित्र पर माल्यार्पण व दीपप्रज्वलन कर किया।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में कम्पेल के नमन को गोल्ड मेडल

दैनिक इंदौर संकेत

खुड़ैल ● श्री माहेश्वरी विद्या पीठ कम्पेल के छात्र नमन मुकाती ने मध्यप्रदेश द्वितीय राज्य स्तरीय कलारिपयट्टू प्रतियोगिता 2025 में भाग लेकर हाई किक में कांस्य व फाइट में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस अवसर पर प्राचार्य अभिषेक माहेश्वरी व समस्त विद्यालय परिवार ने छात्र को शुभ कामनाएं देते हुए विशेष रूप से सम्मान किया। विद्यालय प्राचार्य ने नमन मुकाती की इस सफलता श्रेय स्पोर्ट्स टीचर व कोच गोल्ड मेडलिस्ट गौरव दांगी को दिया। उनकी मेहनत का ही परिणाम है कि क्षेत्र के बच्चे पहली बार स्पोर्ट्स में मेडल लाए है।

बुकमाईशोथ्रोबैक इयर-एंड रिपोर्ट में इंदौर ने मचाई धूम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जैसे ही 2025 समाप्ति की ओर है, बुकमाईशो, इंडिया'ह्य लीडिंग एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, बुकमाईशोथ्रोबैक2025 पेश किया—एक ऐसा जश्न जहाँ एंटरटेनमेंट सिर्फ पलों तक सीमित नहीं रहा, वह एक मूवमेंट बन गया। यह वह साल था जब इंडिया ने एंटरटेनमेंट को सिर्फ देखा नहीं, उसे चुना, अपनाया और इरादे के साथ जिया। रिकॉर्ड-ब्रेकिंग मूवीज़ से लेकर बिजली जैसी लाइव स्पेक्टेकल्स तक, 2025 ने साबित कर दिया कि भारतीयों के लिए बाहर निकलना इम्पल्स नहीं, एक ज़रूरत थी। रिपोर्ट बताती है कि व्यवहार में एक निर्णायक बदलाव आया—एंटरटेनमेंट के लिए बाहर जाना अब डाइनिंग स्पॉट चुनने जितना सामान्य हो गया। फ़िल्में, कॉन्सर्ट्स, कॉमेडी और कल्चर अब हफ़्ते की दिनचर्या का हिस्सा बन गए।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा मनाया गया विश्व मानवाधिकार दिवस

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर के कलेक्टर कार्यालय के केंपस में,अंतर्राष्ट्रीय,मानवाधिकार सुरक्षा संगठन द्वारा विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया,जिसमे इंदौर, महू, पीथमपुर, के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही, आयोजन में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप होल्कर जी की उपस्थिति में सभी पदाधिकारियों द्वारा मानव सेवा के अधिकारों के बारे में जानकारी ली, वहीं होल्कर जी द्वारा आम जन मानस की समस्याओं से अवगत होकर, हर संभव सहायता का करने का संदेश दिया है,वहीं जिलाध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा द्वारा बताया है कि,मानवाधिकार यह निर्धारित करता है, कि प्रत्येक व्यक्ति समाज में और एक-दूसरे के साथ कैसे रहता है, साथ ही राज्य के साथ उसके संबंध और राज्य के उसके प्रति उसके दायित्व भी। मानवाधिकार कानून सरकारों को कुछ कार्य करने के लिए बाध्य करता है और कुछ करने से रोकता है, और मानव अधिकार

दिवस प्रत्येक वर्ष 10 दिसंबर को दुनिया भर में मनाया जाता है।मानवाधिकारों की पहली वैश्विक घोषणा और नए संयुक्त राष्ट्र की पहली प्रमुख उपलब्धियों में से एक, मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के अंगीकरण और उद्घोषणा का सम्मान करने के लिए तिथि का चयन किया गया था।विश्व मानवाधिकार दिवस के आयोजन में सभी आए हुए अतिथियों को,अतिथि सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सेंट्रल डिवाइडर निर्माण कार्य में घटिया क्वालिटी पाई जाने पर ठेकेदार को नोटिस जारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● झोन 7 वार्ड 34 के अंतर्गत आने वाले निरंजनपुर गुरुद्वारा से देवास नाका तक मार्ग पर 84 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन सेंट्रल डिवाइडर के कार्य का आज जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी राजेंद्र राठौर द्वारा स्थल पर पहुँचकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वार्ड क्रमांक 34 के पार्षद प्रतिनिधि अंकित चौधरी भी उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान राठौर ने पाया कि संबंधित ठेकेदार यश इंटरप्राईजेस प्रोप्रा-यशपालसिंह परिहार द्वारा सेंट्रल डिवाइडर का निर्माण अत्यंत घटिया स्तर पर किया जा रहा है। निर्माण

सामग्री गुणवत्ताहीन एवं स्टील मानक अनुसार नहीं पाया गया। निडिल वाइब्रेटर का उपयोग नहीं किए जाने एवं शटरिंग में प्रॉपर पेंकिग नहीं होने से सेग्रीगेशन होना पाया गया तथा कई स्थान पर हनीकांबिंग (मधुमक्खी के छत्ते की तरह कांक्रिट) पाई गई।

कई स्थानों पर आर.सी.सी. की गुणवत्ता घटिया स्तर की रखी है। डिवाईडर की आर.सी.सी. दिवाल कई स्थानों पर अंदर से खोखली हो रही है। सीमेंट तथा डिवाइडर के भीतर लगा सरीया (लोहे की छड़ें) स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही हैं, जो निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 11 दिसंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

सेवा, त्याग और परमार्थ के भाव से किए गए कर्म हमारा मार्गदर्शन करते हैं

इंदौर • संत, विद्वान और महापुरुषों का चिंतन हमेशा समाज के कल्याण की दृष्टि से होता है। सेवा, त्याग और परमार्थ के भाव से किए गए उनके कर्म युगों-युगों तक हमारा मार्गदर्शन करते हैं। सदकर्मों की सुगंध कभी नष्ट नहीं हो सकती। मनुष्य का शरीर भले ही नश्वरवान हो लेकिन उनके कर्म हमेशा स्मृति पटल पर अंकित रहते हैं। अखंड धाम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी अखंडानंद महाराज ऐसे ही तपोनिष्ठ संत थे जिन्होंने अपने जीवनकाल में सनातन धर्म और संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए अपना समूचा जीवन समर्पित बनाए रखा। उनकी यादें हमारे लिए मील का पत्थर बनाकर हमेशा मार्गदर्शन करती रहेंगी। ये दिव्य विचार हैं आश्रम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरुप के, जो उन्होंने बिजासन रोड स्थित अविनाशी अखंड धाम आश्रम पर चल रहे 58वें अ.भा. अखंड वेदांत संत सम्मेलन के विराम प्रसंग पर सानिध्य देते हुए आशीर्वचन के रूप में व्यक्त किए। प्रख्यात संत महर्षि उत्तम स्वामी के सानिध्य में इस अवसर पर आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी अखंडानंद महाराज को पुष्पांजलि एवं हजारों दीपों से उनके चित्र के समक्ष महाआरती का अनूठा और परंपरागत आयोजन सौल्लास संपन्न हुआ।

प्रकृति से लेना नहीं, देना भी सीखें - आचार्य शांतनु

इंदौर • प्रकृति भी परमात्मा का ही अंश है। जैसे परमात्मा इतना सबकुछ देने के बाद भी हमसे कुछ नहीं लेते, उसी तरह प्रकृति भी हमें स्वच्छ पर्यावरण और अन्य मूल्यवान उपहार देने के बाद भी बदले में कुछ नहीं लेती। व्यक्ति अपने जीवनकाल में करीब 8 से 10 क्विंटल लकड़ी का प्रयोग करता है इसमें 4 क्विंटल लकड़ी अंतिम संस्कार के समय काम आती है। यदि इसी तरह हम जीवनभर लकड़ी का प्रयोग करते रहेंगे तो पौधों का बचना संभव ही नहीं रह पाएगा इसलिए संकल्प करें कि हम अपने जीवनकाल में कम से कम 18 पौधे लगाएं और उनके बड़े होने तक उनकी पूरी तरह देखभाल भी करें। प्रकृति का संतुलन दिनों दिन इसी वजह से बिगड़ रहा है कि हम प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करते जा रहे हैं चाहे हवा हो या पानी अथवा पेड़-पौधे या मिटटी। इसी तरह से हम प्रकृति के साथ खिलवाड़ करते रहे तो आने वाली पीढियां हमें माफ़ नहीं कर पाएंगी। प्रकृति से लेना नहीं देना भी सीखें।

इंडिगो संकट : प्रदेश के 350 टूर हुए कैंसिल, पर्यटक री-शेड्यूल करा रहे टूर प्लान

विदेश जाने वाले यात्री दिल्ली- मुंबई से पकड़ रहे फ्लाइट

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंडिगो संकट के बाद से प्रदेश से घूमने जाने वाले टूरिस्ट को अपने प्लान की तारीखें बदलना पड़ रही हैं। ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन के अनुसार, प्रदेश के 350 से ज्यादा लोगों ने अपने टूर या तो पोस्टपोन किए हैं या फिर री-शेड्यूल किए हैं। इनमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के पर्यटक शामिल हैं। ट्रैवल एजेंट्स का कहना है कि पीक सीजन में फ्लाइट कैंसिलेशन ने न सिर्फ पर्यटकों को परेशान कर दिया, बल्कि शादियों और बड़े आयोजनों की तैयारियों को भी गंभीर संकट में डाल दिया है।

ट्रैवल एजेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया ने बताया कि दिसंबर का महीना विंटर शेड्यूल का महीना रहता है। इसके लिए पर्यटक दो से तीन महीने पहले से ही प्लान बनाने लग जाते हैं। 5 दिसंबर से उड़ाने कैंसिल होना शुरू हुई हैं और अभी तक जारी हैं, लेकिन इंडिया के जितने भी होटल हैं, उन्होंने कस्टमर को दो महीने आगे तक के क्रेडिट नोट दिए हैं। हमारे एसोसिएशन के पास प्रदेश से लगभग 350 टूर प्रभावित होने के आंकड़े सामने आए हैं। ये आंकड़े मुख्य तौर पर इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर के हैं।

कैंसिल होने के नंबर भी ज्यादा

ट्रैवल एजेंट ने बताया कि नवंबर के अंत से हमारा सीजन शुरू हो जाता है। शादियों के शुरू होते ही लोग ट्रैवल करते हैं। दिसंबर में ट्रैवल का ट्रेंड बढ़ता है, नए साल के लिए लोग घूमने जाते हैं, लेकिन इस बार सीजन में काफी नुकसान हुआ है। पिछले एक हफ्ते में फ्लाइटों के कैंसिल होने से बड़े पैमाने पर हॉली-डे पैकेज सीधे पोस्टपोन हुए हैं। इस परेशानी को देखते हुए लोग फिलहाल नई बुकिंग भी नहीं करा रहे हैं। होटल ऑक्यूपेंसी में भी गिरावट दर्ज हुई है।

होटल संचालक क्रेडिट नोट जारी कर रहे

ट्रैवल एजेंट्स का कहना है कि लोगों के करोड़ों रुपए फंस गए हैं। एयरलाइंस जहां रिफंड और रि बुकिंग दे रही हैं, वहीं होटल संचालक क्रेडिट नोट जारी कर रहे हैं, जिससे मामूली राहत मिली है, लेकिन संकट इस बात का भी है कि क्रेडिट नोट सीजन के वक्त बुकिंग फुल होने पर कैसे काम करेंगे।

सीधे बुकिंग की थी, रिफंड देने से इनकार

कश्मीर जाने की बुकिंग करवाने वाले विशाल काले ने बताया कि इंडिगो वाले सुबह से शाम तक टालते रहे। हमारी दोपहर बाद की बुकिंग थी। हम होटल वाले को क्लियर ही नहीं कर पाए कि हम नहीं आ रहे हैं। हमने सीधे बुकिंग की थी, अब होटल वाले ने रिफंड देने से इंकार कर दिया है। अब हम ही नहीं पहुंच पाए तो इसमें होटल संचालक की कोई गलती नहीं है। हालांकि काफी मशक्कत के बाद होटल संचालक आधा क्रेडिट नोट देने पर राजी हुआ है। गोवा के लिए बुकिंग कराने वाले जितेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि फ्लाइट कैंसिल होने से होटल की बुकिंग भी निरस्त हो गई। होटल प्रबंधन ने हमें क्रेडिट नोट दिया है।

मंत्री की नेमप्लेट पर कालिख पोती, प्रतिमा बागरी के भाई के गांजा तस्करी के पकड़े जाने पर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

भोपाल (एजेंसी) • बुधवार सुबह करीब सवा सात बजे भोपाल युवा कांग्रेस के कार्यवाहक जिला अध्यक्ष अमित खत्री के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता 74 बंगला स्थित नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के सरकारी आवास पहुंचे और बाहर लगी नेम प्लेट पर कालिख पोत दी। एक दिन पहले भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बागरी के सरकारी आवास के बाहर प्रदर्शन किया था। सतना जिले की रैगांव सीट से बीजेपी विधायक और नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के भाई गांजा तस्करी के मामले में गिरफ्तार हुए हैं। भाई की गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस राज्यमंत्री से इस्तीफा मांग रही है। आज मंत्री के सरकारी आवास पर पहुंचे युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और पुलिस की बैरिकेटिंग तोड़ते हुए नेमप्लेट पर कालिख पोत दी। जबकि प्रदर्शन का पता चलते ही पुलिस ने मंत्री के बंगले की सुरक्षा बढ़ाते हुए बैरिकेटिंग कर दी थी।

मंत्री ने गांजा तस्कर भाई से किया किनारा

इधर, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने गांजा तस्करी के आरोप में पकड़े गए भाई अनिल बागरी और बहनोई शैलेंद्र सिंह से पल्ला झाड़ लिया है। खजुराहो में मंगलवार को कैबिनेट की बैठक के दौरान मीडिया ने जब उनसे सवाल-जवाब किए तो वे यह कहकर किनारा कर गईं कि- 'कोई भी अपने आप से रिश्तेदार बना लेता है। मेरा अनुरोध है कि पहले आप उसकी पुष्टि कर

लें। तथ्यों की जानकारी के बाद ही बात करें।'

पुलिस अपना काम कर रही

खजुराहो के महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर से निकलते समय सोमवार रात को जब उनसे इस संबंध में सवाल किया गया तो वे झल्ला गईं और कहा- 'आप लोग फालतू की बात करते हैं।' हालांकि बाद में बागरी ने सुर बदले... उन्होंने कहा कि पुलिस अपना काम कर रही है। जो भी गलत करने वाला अपराधी होगा, नाते-रिश्तेदार कोई भी, पुलिस प्रशासन अपनी कार्रवाई करेगा। दोषियों पर कठोर कार्रवाई होगी। हालांकि पार्टी की पूछताछ में उन्होंने सफाई दी है कि भाई तो उनका है, बहनोई से रिश्तेदारी नहीं। जबकि बहनोई के बारे में भी कहा गया है कि वे उनके ही रिश्तेदार हैं। पार्टी में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की ओर से इस पूरे मामले से राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष को अवगत करा दिया गया है।

पावर लिफ्टिंग गतिविधियों के लिए अत्याधुनिक सामग्री का समावेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में पश्चिम क्षेत्र के कार्मिकों के लिए खेल गतिविधियों का सतत व प्रभारी ढंग से संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में पावर लिफ्टिंग के लिए अत्याधुनिक सामग्री का समावेश किया गया है। पोलोग्राउंड स्थित जिम में इन अत्याधुनिक सामग्री स्काट रैक, बैंच प्रेस, वेट प्लेट, वेट स्टैंड इत्यादि को खेल नियमों एवं मानक प्रक्रियाओं के तहत स्थापित किया गया है। इसका शुभारंभ मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, मुख्य अभियंता कामेश श्रीवास्तव, अधीक्षण अभियंता बीडी फ्रैंकलीन, कार्यपालन अभियंता प्रेम पालीवाल व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। पावर लिफ्टिंग गतिविधियों, नई सामग्री के उपयोग, गुणवत्ता, सुरक्षा व भविष्य में पावर लिफ्टिंग खेल गतिविधियों में बढोत्तरी की जानकारी अभियंता विशाल वर्मा ने प्रस्तुत की।

राजवाड़ा में बिना अनुमति हुए आयोजन के विरोध में कांग्रेस सेवा दल का प्रदर्शन

प्रमुख अधिकारी की अनुपस्थिति पर कार्यालय की कुर्सी पर चिपकाया गया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर की ऐतिहासिक धरोहर राजवाड़ा में जैन सोशल ग्रुप द्वारा बिना अनुमति आयोजित कार्यक्रम को लेकर आज जिला कांग्रेस सेवा दल ने कड़ा विरोध दर्ज कराया। पपेट शो के नाम पर हुए इस आयोजन में- राजवाड़ा परिसर के भीतर गैस सिलेंडर ले जाए गए, स्मारक के अंदर भोजन बनाने की गतिविधियाँ की गईं, सुरक्षा नियमों और पुरातत्व विभाग के दिशा-निर्देशों को पूरी तरह नजरअंदाज किया गया, जिससे स्मारक की संरचना एवं सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ।

यह आयोजन प्राचीन स्मारक एवं पुरातत्व संरक्षण अधिनियम, 1958 की महत्वपूर्ण धाराओं- धारा 19, 30, 33 और 35-का स्पष्ट उल्लंघन है। आज जिला कांग्रेस सेवा दल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल और वरिष्ठ नेता गिरीश जोशी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल पुरातत्व विभाग कार्यालय पहुंचा। लेकिन कोई अधिकारी उपस्थित नहीं मिला, जिसके बाद- कांग्रेस सेवा दल ने प्रतीकात्मक विरोध स्वरूप अधिकारी की कुर्सी पर ज्ञापन चिपकाया। इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल थाना सराफा पहुंचा, जहाँ थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर दोषी आयोजनकर्ताओं और जिम्मेदार अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई।

समाधान योजना में अब तक 1.65 लाख उपभोक्ता लाभान्वित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • पश्चिम मप्र में प्रतिदिन हजारों उपभोक्ता समाधान बिजली योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। बुधवार शाम तक पश्चिम मप्र में 1.65 लाख उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि एक मुश्त मूल बिजली बिल जमा कर सरचार्ज पूरा माफ कराने वालों की संख्या एक लाख पांच हजार से ज्यादा रही, शेष 60 हजार उपभोक्ता किश्तों में बकाया राशि जमा करने का विकल्प चुनने वाले रहे। समाधान योजना से बिजली कंपनी को करीब 48 करोड़ रूपए का राजस्व मिला है, जबकि कंपनी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को 4.85 करोड़ रूपए की रियायत प्रदान की गई है। समाधान योजना का सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 25 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं ने लाभ लिया है। योजना फरवरी तक प्रभावी है।

भारतीय संस्कृति को अक्षुण्ण रखकर ही आदर्श ग्राम बनाया जा सकता है-नागर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा सांवेर विकासखंड में नवांकुर संस्था द्वारा चिन्हांकित आदर्श ग्राम मुकाता में ग्राम चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष, राज्य मंत्री दर्जा मोहन नागर थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती और पंडित दीनदयालजी उपाध्याय के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण करके शुरू किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुमारेश जौहरी ने किया। स्वागत भाषण संस्था के सचिव नरेंद्र सिंह पंवार द्वारा दिया गया। अतिथि परिचय कृष्णपाल सिंह पंवार द्वारा दिया गया। नवांकुर संस्था की गतिविधियों तथा प्रतिवेदन का वाचन नवांकुर संस्था के अध्यक्ष अजय शर्मा द्वारा किया गया जिसमें संस्था द्वारा शुरू से लेकर अब तक की गई उपलब्धियों के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। संस्था द्वारा जन सहभागिता से पूरे ग्राम में स्ट्रीट लाइट लगाने, बच्चों का जन्मदिन भारतीय पद्धति के अनुसार मनाने, गीता भेंट करने, बच्चों को मोबाइल के दुरुपयोग से बचाने, बच्चों को खेल से जोड़ने, पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार करने, नवीन मंदिर का निर्माण, सामाजिक समरसता, नर्सरी का निर्माण और उसके माध्यम से ग्राम का आर्थिक उन्नयन, पर्यावरण संरक्षण आदि के संदर्भ में उल्लेखनीय कार्य किए गए। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्री मोहन नागर द्वारा आदर्श ग्राम के संदर्भ में किए जाने वाले कार्यों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला।

भोपाल गैसकांड : अंतिम सुनवाई 23 को, दोषी अधिकारियों के खिलाफ लंबित है आपराधिक अपील

भोपाल (एजेंसी) • भोपाल में आज जिला अदालत में यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) और उसके 8 दोषी अधिकारियों के खिलाफ लंबित आपराधिक अपील मामले की अंतिम सुनवाई के लिए तारीख तय की गई। यह मामला भोपाल में 2/3 दिसंबर को हुए यूनियन कार्बाइड हादसे से जुड़ा है। यूसीआईएल और उसके भारतीय अधिकारियों को सुनवाई की तारीख पेश करनी थी। जिला न्यायाधीश ने सुनवाई की लंबी तारीख न देने पर अड़े रहे। मामले की सुनवाई 23 दिसंबर को होगी, जब यूसीआईएल और भारतीय आरोपी अंतिम आपराधिक अपील सुनवाई की तारीख पेश करेंगे। एक अन्य घटनाक्रम में, यूनियन कार्बाइड के विषैले कचरे से संबंधित मामला मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई के लिए आया। मप्र सरकार के गैस राहत विभाग (प्रतिवादी 3) ने न्यायमूर्ति श्रीधरन और प्रदीप मित्तल के 8 अक्टूबर 2025 के उस आदेश को रद्द करने के लिए आवेदन दायर किया है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

उड़ानें रद्द, महंगा किराया, जांच जारी, इंडिगो पर 10% कटौती के बाद भी हालात काबू में क्यों नहीं?

इंडिगो में जारी उड़ान संकट से हजारों यात्री प्रभावित हैं। सरकार ने जांच शुरू की और उड़ानों में 10% कटौती की। हवाई किराये की मनमानी पर भी उठा सवाल। विमानन कंपनी इंडिगो में उड़ान परिचालन का संकट अभी थमा नहीं है। अब तक हजारों उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं, जिसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ा है। सरकार ने इस मामले की तहकीकात शुरू कर दी है और साथ ही स्पष्ट किया है कि जांच निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में स्थिति को संभालने के लिए सरकार ने इंडिगो की उड़ानों में दस फीसद की कटौती कर दी है। इस बात को तो सरकार ने भी माना है कि व्यवस्थागत खामियों की वजह से यह संकट पैदा हुआ है, लेकिन किस स्तर पर चूक हुई है, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। मगर सवाल है कि यह संकट खड़ा होने से पहले ही इसका समाधान तलाशने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई? इस अव्यवस्था का खमियाजा यात्रियों को क्यों भुगतना पड़ रहा है? दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न होने दी गई। साथ ही कहा कि यह यात्रियों को हुई परेशानी और उत्पीड़न के अलावा देश की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का भी सवाल है। हैरत की बात है कि जिन नए नियमों की वजह से इंडिगो में उड़ान परिचालन का संकट उपजा, उस आदेश को वापस लेने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है। मसला सिर्फ यह नहीं है कि उड़ान रद्द होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई, बल्कि उन्हें दूसरी कंपनियों की उड़ान का सहारा लेने के लिए सामान्य से कई गुना अधिक किराये का भुगतान करना पड़ा। यही वजह है कि उच्च न्यायालय ने इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए सवाल किया कि ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में अन्य विमानन कंपनियां हालात का फायदा उठाकर यात्रियों से टिकटों के लिए भारी कीमत कैसे वसूल सकती हैं! हालांकि, इस समस्या के उजागर होने के बाद सरकार ने फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराये की सीमा तय कर दी है, लेकिन सवाल यह है कि विमानन कंपनियों की यह मनमानी कोई एक बार की बात नहीं है। जब कभी उड़ान परिचालन का संकट पैदा होता है या फिर अत्यधिक व्यस्त समय हो, तो यात्रियों से मनमाना किराया वसूलना आम बात है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भारत को चावल की धमकी का क्या होगा असर

इस साल ट्रंप ने भारत से आने वाले सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए थे, जिसका हवाला उन्होंने व्यापार बाधाओं और ऊर्जा खरीद से जुड़े मुद्दों का दिया था। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस सप्ताह भारत का दौरा करने वाला है ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि कोई बड़ा समझौता होने की संभावना कम है। ट्रंप ने कनाडा के साथ भी व्यापारिक तनाव बढ़ाया है, जहां उन्होंने उर्वरकों पर 'बहुत कड़े टैरिफ' लगाने की बात कही ताकि अमेरिकी उत्पादन को बढ़ावा मिले। इसी सिलसिले में ट्रंप ने भारत पर सस्ते चावल की 'डंपिंग' का आरोप लगाते हुए नए टैरिफ लगाने का संकेत भी दिया है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार संबंधों में तनाव बढ़ सकता है। अमेरिकी किसान सस्ते आयात से नुकसान की शिकायत कर रहे हैं, जबकि ट्रंप ने कनाडाई खाद पर भी कड़े टैरिफ की धमकी दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान अमेरिकी किसानों को 12 अरब डॉलर के आर्थिक सहायता पैकेज की घोषणा की, जो उनकी ही लगाई गई टैरिफ नीतियों से प्रभावित हुए हैं। इस बीच, ट्रंप ने व्हाइट हाउस मीटिंग में किसानों से कहा, 'वो लोग डंपिंग नहीं कर सकते... ऐसा नहीं कर सकते।' उन्होंने विशेष रूप से भारत, वियतनाम और थाईलैंड से आने वाले सस्ते चावल आयात को अमेरिकी चावल उत्पादकों के लिए खतरा बताया। किसान संगठनों के अनुसार, इन आयातों से अमेरिकी चावल की कीमतें गिर रही हैं, जिससे स्थानीय उत्पादक परेशान हैं। ट्रंप ने वादा किया कि वह इस 'डंपिंग' को रोकने के लिए कड़े कदम उठाएंगे, जिसमें नए टैरिफ शामिल हो सकते हैं।

दूसरी ओर, ट्रंप की टैरिफ नीतियां अमेरिकी किसानों को ही नुकसान पहुंचा रही हैं। चीनी व्यापार युद्ध के कारण चीन ने अमेरिकी सोयाबीन और ज्वार की खरीद कम कर दी है, जिससे किसानों को लगातार नुकसान हो रहा है। अमेरिकी सोयाबीन एसोसिएशन के अनुसार, 2025 में सोयाबीन किसान तीसरे साल लगातार घाटे में हैं। टैरिफ से बीज और उर्वरक की कीमतें भी बढ़ गई हैं। फूड एंड एग्रीकल्चरल पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अनुमान से 2026 में किसानों की कुल आय में 30 अरब डॉलर से अधिक की कमी आ सकती है। 12 अरब डॉलर के पैकेज की घोषणा इसी संदर्भ में हुई है। ट्रंप ने कहा, 'हम टैरिफ से मिली आय का एक छोटा हिस्सा किसानों को आर्थिक सहायता के रूप में दे रहे हैं। हम अपने किसानों से प्यार करते हैं।' इसमें से 11 अरब डॉलर नए 'फार्मर ब्रिज असिस्टेंस' कार्यक्रम के तहत रो क्रॉप किसानों (जैसे सोयाबीन उत्पादक) को दिए जाएंगे, जो व्यापार विवादों और बढ़ती लागतों से प्रभावित हैं। शेष एक अरब डॉलर के आवंटन पर अभी विचार चल रहा है। इस साल किसानों को पहले ही आपदा राहत और आर्थिक सहायता के रूप में 40 अरब डॉलर की सब्सिडी मिल चुकी है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि चीन के साथ हालिया समझौते से स्थिति सुधरेगी, जिसमें बीजिंग ने साल के अंत तक 1.12 करोड़ मीट्रिक टन अमेरिकी सोयाबीन खरीदने का वादा किया है। अगले तीन सालों के लिए यह मात्रा सालाना 2.15 करोड़ मीट्रिक टन तक बढ़ाई जाएगी, हालांकि 2025 में अब तक केवल एक छोटा हिस्सा ही खरीदा गया है। ट्रंप के किसान समर्थक वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए यह पैकेज राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। किसान संगठनों ने सहायता का स्वागत किया है, लेकिन लंबे समय तक टैरिफ युद्ध से निपटने के लिए व्यापार समझौतों की मांग की है। भारत सरकार ने अभी तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन व्यापार मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, दिल्ली वार्ताओं में मुद्दों को सुलझाने की कोशिश की जाएगी।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार में 'डंपिंग' का मतलब है कि कोई देश अपनी वस्तु को दूसरे देश में उसकी घरेलू कीमत या उत्पादन लागत से बहुत कम दाम पर बेचता है। चावल की डंपिंग से तात्पर्य है कि भारत जैसे देश अमेरिका में चावल को इतना सस्ता बेच रहे हैं कि अमेरिकी किसान अपना उत्पादन बेच भी नहीं पाते। नतीजा यह होता है कि अमेरिकी बाजार में विदेशी चावल का हिस्सा तेजी से बढ़ जाता है और स्थानीय किसानों की कमाई घट जाती है या वे घाटे में चले जाते हैं। भारत पर डंपिंग का आरोप इसलिए लग रहा है चूँकि भारत में चावल पैदा करने की लागत दुनिया में सबसे कम है - एक टन गैर-बासमती चावल की लागत मात्र 15-18 हजार रुपये (लगभग 180-220 डॉलर) पड़ती है, जबकि अमेरिका में यही लागत 38-45 हजार रुपये (450-550 डॉलर) तक होती है। इसका कारण है - सस्ती मजदूरी, मुफ्त/सब्सिडी वाली बिजली, भारी सब्सिडी वाले खाद-बीज और सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूस्क्र) पर बड़े पैमाने पर खरीद। सरकार इतना चावल खरीद लेती है कि किसान को बाजार की चिंता नहीं रहती। फिर यह चावल निर्यातकों के पास जाता है और दुनिया में जितना भी दाम मिले, बेच दिया जाता है - अक्सर अमेरिकी किसानों की लागत से भी कम में। खासकर टूटा चावल (ब्रोकन राइस) और निम्न श्रेणी का सफेद चावल अमेरिका में बीयर बनाने, पालतू जानवरों के खाने और प्रोसेस्ड फूड में इस्तेमाल होता है, जिसकी कीमत 2025 में 350-380 डॉलर प्रति टन तक गिर गई है।

दरअसल विश्व व्यापार संगठन के नियमों में डंपिंग तभी अवैध मानी जाती है जब आयात करने वाला देश साबित कर दे कि (1) निर्यात मूल्य घरेलू मूल्य या उत्पादन लागत से कम है, (2) इससे स्थानीय उद्योग को भारी नुकसान हो रहा है, और (3) नुकसान का सीधा कारण वही सस्ता आयात है। अमेरिका ने पहले भी भारत के चावल पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है, लेकिन ज्यादातर मामलों में भारत बच जाता है क्योंकि टूटा चावल की घरेलू कीमत तुलना करना मुश्किल होता है और भारत कहता है कि हमारी सब्सिडी किसानों के लिए है, निर्यात के लिए नहीं। फिर भी 2025 में अमेरिकी किसानों का गुस्सा इतना बढ़ गया है कि ट्रंप ने नए टैरिफ लगाने की धमकी दी है। यही वजह है कि इसे 'चावल डंपिंग' का मामला कहा जा रहा है।यह घटनाक्रम वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता को बढ़ा रहा है, खासकर कृषि क्षेत्र में। विशेषज्ञों का कहना है कि ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति से न केवल विदेशी संबंध प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि घरेलू अर्थव्यवस्था पर भी दबाव पड़ रहा है।

भारतीय चावल निर्यातकों ने मंगलवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की संभावित कार्रवाई पर उद्योग जगत में कोई बड़ी चिंता नहीं है। भारत चावल निर्यातक महासंघ (ह्लक्रश्वस्न) के अध्यक्ष प्रेम गर्ग ने बताया कि अमेरिका को होने वाला चावल निर्यात भारत की कुल निर्यात मात्रा का बहुत छोटा हिस्सा है, इसलिए शुल्क लगने की स्थिति में भी इसका व्यापक प्रभाव नहीं पड़ेगा। गर्ग ने बताया कि अमेरिका को बासमती चावल का निर्यात 3 प्रतिशत से भी कम है। वहीं भारत के कुल चावल निर्यात करीब 210 लाख टन में अमेरिका की हिस्सेदारी केवल एक प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने बताया कि अमेरिका हर वर्ष मात्र 2.17 लाख टन भारतीय चावल आयात करता है, जो भारत की वैश्विक आपूर्ति की तुलना में बेहद कम है। गर्ग ने अमेरिकी अधिकारियों द्वारा लगाए गए इस आरोप को भी खारिज किया कि भारत वैश्विक बाजार में चावल डंप कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय चावल की मांग स्थिर बनी हुई है और भारत के लिए अमेरिका कोई बड़ा बाजार नहीं है। इसके अलावा भारतीय निर्यातकों को नए और उभरते वैश्विक बाजारों से अच्छी मांग मिल रही है, जिससे समग्र निर्यात बास्केट मजबूत बनी हुई है। उनकी यह टिप्पणी वाशिंगटन में भारतीय चावल पर अतिरिक्त शुल्क लगाने पर चर्चा के बीच आई है, जिस पर पहले से ही 50 प्रतिशत टैरिफ लगता है। गर्ग ने कहा कि छह महीने पहले 10 प्रतिशत से शुरू होकर यह शुल्क 25 प्रतिशत और फिर पिछले तीन महीनों में 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। इसका मांग पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि नवंबर में निर्यात पिछले साल के समान ही रहा। उद्योग जगत के लोगों ने कहा कि शुल्क में आगे कोई भी वृद्धि मुख्य रूप से अमेरिकी उपभोक्ताओं द्वारा वहन की जाएगी। राइस विला समूह के सीईओ सूरज अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका को निर्यात की जाने वाली भारतीय बासमती और प्रीमियम गैर-बासमती किस्में एशियाई और मध्य पूर्वी समुदायों के लिए आवश्यक खाद्यान्न हैं।

उन्होंने कहा कि ये आवश्यक वस्तुएं हैं, विलासिता की वस्तुएं नहीं। मांग पर प्रभाव नगण्य होगा। किसी भी अतिरिक्त शुल्क का खामियाजा केवल अमेरिकी उपभोक्ताओं को ही भुगतना पड़ेगा। भारत, जो वैश्विक चावल निर्यात का 40 प्रतिशत आपूर्ति करता है और 172 देशों को निर्यात करता है, में लगातार मजबूत मांग देखी जा रही है। खाड़ी देश बासमती के प्रमुख बाजार बने हुए हैं, वहीं अफ्रीकी देश तेजी से बढ़ते खरीदार के रूप में उभरे हैं। उदाहरण के लिए, बेनिन ने पिछले साल 60,000 टन से अधिक बासमती का आयात किया। गर्ग ने कहा कि यह एक नया बाजार है जो बहुत तेजी से विस्तार कर रहा है। रूस ने भी गैर-बासमती किस्मों पर अपने पारंपरिक फोकस से आगे बढ़ते हुए बासमती की खरीद शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि ब्राजील और थाईलैंड जैसे प्रमुख चावल उत्पादक देश भी भारतीय बासमती का आयात कर रहे हैं। गर्ग ने कहा कि भारत चीन को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक बन गया है और अगले साल घरेलू उत्पादन में 4-5 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है क्योंकि किसानों को बेहतर मूल्य मिल रहा है।

अशोक भाटिया, वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

देजला देवड़ा जलाशय से पानी छोड़ा गया, किसानों को पहली सिंचाई में राहत, 37 हजार हेक्टेयर में सिंचाई

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • जिले में देजला देवड़ा जलाशय की नहरों में सिंचाई के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। कमांड एरिया 9 और 10 के किसानों को इससे बड़ी राहत मिली है। पानी ऐसे समय छोड़ा गया है जब गेहूं की फसल को पहली सिंचाई की सख्त जरूरत थी। क्षेत्र में लगभग एक माह की फसल हो चुकी है। अनुबंध के बावजूद पहले पानी नहीं छोड़े जाने से किसानों में रोष था, लेकिन अब उन्हें राहत महसूस हो रही है। इस साल पानी लगभग तीन सप्ताह देर से छोड़ा गया। सामान्यत: हर साल 15 नवंबर को जलाशय से पानी छोड़ा जाता है।

37 हजार हेक्टेयर में होती है सिंचाई

क्षेत्र के किसान गोकुल राठौड़ ने बताया कि जलाशय से पानी छोड़ने से सिंचाई में बड़ी राहत मिली है। देजला देवड़ा जलाशय से रबी सीजन में कुल 37,000 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती है। टांडाबरुड, देवली और कोठा बुजुर्ग क्षेत्र के नहर कमांड एरिया में 8,000 किसानों के लगभग 9,000 हेक्टेयर रकबे में बुआई की गई है। भगवानपुरा क्षेत्र में मुख्य नहर से पानी रिसाव की कुछ सूचनाएं मिली हैं। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वे शिकायत वाले स्थानों पर निराकरण कर रहे हैं।

इंदौर आईजी ने देखी पुलिस बटालियन की जमीन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • विधानसभा सत्र के दौरान पुलिस बटालियन का मुद्दा उठने के बाद बुधवार को इंदौर आईजी अनुराग और डीआईजी सिद्धार्थ बहुगुणा खंडवा पहुंचे। अधिकारियों ने ग्राम सुरगांव निपानी में नेशनल हाईवे से लगी 105 एकड़ सरकारी जमीन का निरीक्षण किया। यह जमीन गृह विभाग को पुलिस बटालियन के लिए आवंटित है। निरीक्षण के दौरान आईजी ने स्पष्ट किया कि वे बुरहानपुर जा रहे थे, तभी रास्ते में जमीन देखने रुके। बटालियन की स्थापना और स्वीकृति का अंतिम निर्णय शासन स्तर पर ही होगा। मौके पर पहुंचे आईजी ने स्थानीय अधिकारियों से शहर, मार्केट, स्कूल और अस्पताल की दूरी को लेकर सवाल किए। एसपी मनोज राय, एडिशनल एसपी राजेश रघुवंशी और सीएसपी अभिनव बारंगे ने बताया कि जमीन से महज 100 मीटर दूर नेशनल हाईवे है। यहां से सिहाड़ा मार्ग के जरिए आनंद नगर, निजी-सरकारी स्कूल और मेडिकल कॉलेज पास ही हैं। हाईवे बनने से इंदौर, खरगोन, हरदा, वडोदरा और नागपुर की कनेक्टिविटी भी बेहतर रहेगी।

जमीन उबड़-खाबड़, बीच से निकला नाला

सर्वे के दौरान अधिकारियों ने पाया कि जमीन उबड़-खाबड़ है और इसके बीच से एक बरसाती नाला गुजर रहा है। साथ ही, दोनों तरफ से हाईटेंशन लाइन भी निकली है, जो दुविधा बन सकती है।

अधिकारियों ने संकेत दिए कि बटालियन के लिए करीब 60-70 एकड़ समतल जमीन की जरूरत होती है। फिलहाल बटालियन का कोई प्रस्ताव नहीं है। शासन की स्वीकृति और बजट आवंटन के बाद ही आगे की रणनीति बनेगी।

'बुरहानपुर जा रहा था, तो जमीन देख ली'

निरीक्षण के दौरान अपनी विजिट को लेकर आईजी ने कहा, 'मैं तो बुरहानपुर जा रहा था, रास्ते से निकला तो सोचा कि जमीन देख ली जाए कि कैसी हैं। बाकी बटालियन की स्थापना और स्वीकृति का काम तो शासन का हैं।'

12वीं के विद्यार्थियों को सिखाई ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रक्रिया

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • पीजी कॉलेज की कॉलेज चलो अभियान की टीम ने देवी अहिल्या शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 पहुंचकर 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को ऑनलाइन ई-प्रवेश प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया। कॉलेज चलो अभियान व राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नोडल अधिकारी डॉ. जियालाल अकोले ने बताया कि अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को उच्च शिक्षा से जोड़ना, उन्हें डिजिटल माध्यमों से सहज प्रवेश उपलब्ध कराना और नई शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप शैक्षणिक अवसर प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत छात्रों के अधिकार, प्रवेश, पंजीयन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। डॉ. अकोले ने बताया कि टीम विद्यालयों, समुदायों और ग्रामीण अंचलों तक पहुंचकर विद्यार्थियों को जागरूक कर रही है। कॉलेजों में हेल्पडेस्क, डिजिटल सहायता केंद्र और परामर्श शिविर भी स्थापित किए गए हैं, जिससे सभी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन आसानी से उपलब्ध हो सके। अभियान टीम का कहना है कि डिजिटल प्रवेश मॉडल से प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, समयबद्ध और सरल बनी है। विद्यार्थियों ने भी बताया कि ई-प्रवेश से कॉलेज में बार-बार जाने की जरूरत नहीं पड़ती और मोबाइल से ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। प्रशिक्षण के अंत में विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र पाटीदार और विद्यार्थियों ने ऑनलाइन प्रवेश व नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विषय चयन से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका समाधान नोडल अधिकारी ने दिया।

साइबर सेल ने 1.06 लाख रुपए वापस करवाए मोबाइल हैक कर क्रेडिट कार्ड से हुई थी ठगी

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर •साइबर सेल ने ऑनलाइन धोखाधड़ी के एक मामले में पीड़ित को राहत देते हुए उनके बैंक खाते से निकाले गए 1 लाख 6 हजार रुपए वापस दिलाए। धोखाधड़ी एक एपीके फाइल के जरिए मोबाइल हैक करके और क्रेडिट कार्ड ओटीपी का दुरुपयोग कर की गई थी। पीड़ित ने शिकायत मिलते ही साइबर सेल से मदद मांगी, जिसके बाद पूरी राशि सुरक्षित रूप से उनके खाते में लौटा दी गई। शिकारपुरा के मोमिनपुरा थाना क्षेत्र के निवासी नीरज असेरकर ने बताया कि उनके मोबाइल पर एक एपीके फाइल आई थी। क्लिक करते ही मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद क्रेडिट कार्ड का ओटीपी आया और धोखेबाजों ने 1,06,948 रुपए निकाल लिए। धोखेबाजों ने निकाली गई राशि से फ्लिपकार्ट ऐप पर एक आईफोन और एक नथिंग फोन ऑर्डर कर दिए थे। मामला समझ में आते ही पीड़ित ने तुरंत बुरहानपुर साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। एसपी देवेंद्र पाटीदार के

निर्देश पर साइबर सेल टीम ने मामले को गंभीरता से लिया। टीम ने नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज की। इसके बाद फ्लिपकार्ट के नोडल अधिकारी से ईमेल और फोन के जरिए संपर्क कर ऑनलाइन ऑर्डर रद्द करवाए। एसपी देवेंद्र पाटीदार ने बताया कि जिले के सभी थानों में साइबर हेल्प डेस्क उपलब्ध है। ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर पीड़ित तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर सकते हैं। इसके अलावा एनसीआरपी पोर्टल पर या नजदीकी थाने में साइबर हेल्प डेस्क पर शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

स्लॉट बुक नहीं होने से किसान परेशान

दैनिक इंदौर संकेत

बोरावां • मंडियों में सीसीआई द्वारा कपास खरीदी की जा रही है। कपास 8010 रुपए क्विंटल खरीदा जा रहा है। इस कारण सभी किसान अपनी उपज सीसीआई को बेचने की योजना बना रहे हैं, लेकिन उनकी इस योजना पर पानी फिरता दिख रहा है। कपास बेचने के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुक नहीं हो रहे हैं। किसान सभी काम छोड़ कर स्लॉट बुक करने में जुटे हैं। लेकिन स्लॉट कब बुक हो जाते है, पता ही नहीं चलता। किसानों ने बताया रोजाना सुबह 10.15 बजे से मोबाइल लेकर बैठ जाते है ताकि स्लॉट बुक हो जाए। मोबाइल पर स्लॉट उपलब्ध होते हुए जिन परिसर में उपज बिक्री के लिए खाली जगह तक दर्शाई जा रही हैं।

बच्चे के गले में घड़ी का सेल अटका, जिला अस्पताल में डॉक्टर ने टेलिस्कोप की मदद से 15 मिनट में निकाला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • बुरहानपुर के रहने वाले 10 वर्षीय कृष्णा पिता रामेश्वर ने खेल-खेल में घड़ी का सेल निगल लिया, जो उसके गले के निचले हिस्से में फंस गया। इससे उसे बेचैनी, दर्द और सांस लेने में तकलीफ होने लगी और वह बेहोश हो गया। माता-पिता घबराकर उसे तुरंत खंडवा के जिला अस्पताल सह मेडिकल कॉलेज लेकर आए। घटना बुधवार दोपहर की है।

टेलीस्कोप की मदद से निकाला

मेडिकल कॉलेज के नाक कान गला रोग विभाग में बच्चे का एक्स-रे किया गया, तो पता चला कि घड़ी का एक सेल आहार नली के निचले भाग में फंसा है। नाक कान गला रोग (ईएनटी) विशेषज्ञ डॉ. सुनील बाजोलिया और उनकी टीम ने दूरबीन पद्धति (टेलिस्कोप मेथड) से ऑपरेशन कर कृष्णा के गले से सेल को बाहर निकाला। डॉ. सुनील बाजोलिया ने बताया कि बैटरी में मौजूद रसायन शरीर के ऊतकों को गला सकता था, जिससे बच्चे की जान को खतरा हो सकता था।

बच्चा अब पूरी तरह स्वस्थ्य

जिला अस्पताल के डॉक्टर्स की टीम ने सही समय पर जटिल ऑपरेशन कर बच्चे की जान बचाई। बच्चा कृष्णा अब पूरी तरह से स्वस्थ है और अस्पताल से डिस्चार्ज होकर घर पर स्वास्थ्य लाभ ले रहा है। बच्चे के पिता रामेश्वर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज की टीम का आभार प्रकट किया।

ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए घोषित की टीम, कमिंस की वापसी

सिडनी (एजेंसी) ●क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने इंग्लैंड के खिलाफ 17 दिसंबर से शुरु हो रहे एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी हुई है। कमिंस को शामिल किये जाने के अलावा कोई अन्य बदलाव नहीं किया गया है। स्पिनर नाथन लियोन की एक बार फिर उपेक्षा हुई है। वह दूसरे टेस्ट के लिए भी शामिल नहीं थे। कमिंस फिट नहीं होने के कारण पहले दो टेस्ट मैचों से बाहर थे। ऐसे में स्टीव स्मिथ ने टीम की

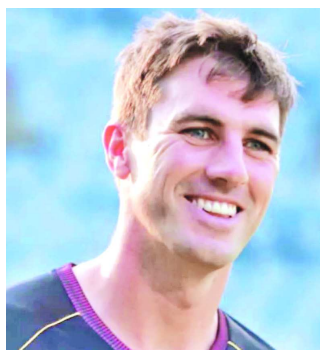

कप्तानी की थी। उनके नहीं खेलने पर भी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आसानी से जीत हासिल कर ली थी। इस प्रकार वह सीरीज में 2-0 से आगे है। कमिंस इस साल जुलाई में सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद से ही ही खेल से दूर हैं। अब पांच महीने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम अभी एशेज में 2-0 से आगे है और उसका लक्ष्य तीसरे मैच को भी जीतकर सीरीज में अपराजेय बढ़त दर्ज करना रहेगा।

घरेलू धरती पर एकदिवसीय विश्वकप खेलना चाहते हैं मिलर

जोहांसबर्ग (एजेंसी) ● दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा है कि वह अपनी धरती पर होने वाले 2027 एकदिवसीय विश्वकप को खेलना चाहते हैं। मिलर ने कहा है कि अभी तक इस मामले में उनकी मुख्य कोच शुक्रि कॉनराड के साथ बात नहीं हुई है। मिलर का मानना है कि उनके अनुभवों से टीम को विश्वकप में लाभ हो सकता है। उन्होंने माना है कि पिछले कुछ समय में टीम में कई नए खिलाड़ी आए हैं, इसलिए चयन होना आसान नहीं है पर वह अपनी भूमिका को लेकर स्पष्ट बातचीत करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'चयन की कोई गारंटी

नहीं होती पर आने वाले समय में खेलने को लेकर वह बात करेंगे और देखेंगे कि चीजें किस ओर जा रही हैं।' मिलर के अनुसार उनका ध्यान फिटनेस और मानसिक मजबूती पर रहेगा। मिलर ने पिछली बार एकदिवसीय में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 67 गेंदों पर नाबाद 100 रनों की पारी खेली थी। उसके बाद हालांकि चोटिल होने और नए खिलाड़ियों के आने से वह टीम में जगह नहीं बना पाये पर अब वह अपनी फिटनेस पर ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं 36 साल का हूं, अब मुझे ट्रेनिंग में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। मैं अपनी फिटनेस और मानसिक मजबूती पर काम कर रहा हूं। जिससे दबाव में मैं अब ज्यादा स्पष्ट और शांत रहता हूं जो टीम के लिए फायदेमंद रहेगा।

एलेट स्पोर्ट्स के खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व नेपाल में

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●विश्व कराते महासंघ एवं नेपाल कराते फेडरेशन के तत्वाधान में एवं अंतराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी के सानिध्य में 19 से 23 दिसंबर तक काठमांडू नेपाल में आयोजित होने वाले यूनिवर्सल अंतराष्ट्रीय कराते स्पर्धा के लिए इंदौर मध्यप्रदेश की एलेट स्पोर्ट्स अकादमी के 17 खिलाड़ियों का चयन किया गया है । जो कि रुद्र फूड प्रोडक्ट के सहयोग से इस स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे । चयनित खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार है । बालिका वर्ग में राधिका पंचोले (कप्तान) ,माही धारू,गार्गी भार्गव, सन्वि अहिरवार, कुनिका तंवर, श्रेया भाटिया, हर्षिता चौहान, रोली परोहा,आस्था श्रीवास, सुरभि जैसवार शामिल है । वहीं बालक वर्ग में प्रतीक श्रीवास,रोहित कौशल,वरुण राठौर,नितेश मेहता,पुष्पेंद्र सिंह,सिद्धार्थ चौहान ,यशराज खोड़े एवं ट्रेनर देवराज खोड़े शामिल है। टीम के मुख्य कोच अमय लश्करी होंगे एवं

मैनेजर जसवंत पंचोले रहेंगे । चयनित खिलाड़ियों को एलेट स्पोर्ट्स प्रमुख मीनू गौर एवं श्रेयस स्कूल के प्राचार्य राजेंद्र पाटिल ने बधाई दी।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना जलवा दिखाया कृति सेनन ने

मुंबई (एजेंसी) ● जेद्दाह में आयोजित रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के पांचवें एडिशन में कृति सेनन की दमदार मौजूदगी ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपना जलवा दिखा दिया। फिल्म 'तेरे इश्क में' की सफलता के बाद कृति ने अपने शानदार प्रदर्शन और मजबूत स्क्रीन प्रेज़ेंस के कारण फेस्टिवल में भी सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। फेस्टिवल के दौरान एक विशेष पल तब देखने को मिला जब कृति की मुलाकात हॉलीवुड सितारों डकोटा जॉनसन, नीना डोबरेव, उमा थरमन और ऑस्कर विजेता एड्रियन ब्रॉडी से हुई। रेड सी वुमेन इन सिनेमा गाला डिनर में उनकी सक्रिय भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि कृति सेनन अब सिर्फ भारत तक सीमित चेहरा नहीं, बल्कि तेजी से अंतरराष्ट्रीय पहचान बना रही एक ग्लोबल स्टार हैं।

'हम दोनों' ताजगी और मोहब्बत से भरा गीत है: श्रुति पाठक

मुंबई (एजेंसी) ● कार्तिक आर्यन की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' का नया गाना 'हम दोनों' रिलीज होने वाला है, जिसे प्लेबैक सिंगर श्रुति पाठक ने अपनी मधुर आवाज में रिकॉर्ड किया है। यह गाना युवा दर्शकों और कपल्स के बीच खास पहचान बनाने की उम्मीद के साथ सामने आ रहा है। श्रुति पाठक ने कहा कि 'हम दोनों' एक ताज़गी और मोहब्बत से भरा गीत है, जो दिलों को छू लेगा। उन्होंने बताया कि गाने की सरल धुन और मॉडर्न टच इसे लंबे समय तक यादगार बनाएगा। रिकॉर्डिंग से जुड़ी यादों को साझा करते हुए उन्होंने कार्तिक आर्यन के साथ हुई अपनी छोटी-सी मुलाकात को बेहद खास बताया। उनके अनुसार, कार्तिक गाने की रिकॉर्डिंग प्रक्रिया में रुचि ले रहे थे और संगीत को लेकर काफी उत्साहित नजर आए। श्रुति ने मुस्कुराते हुए बताया कि

कार्तिक ने उनसे इस गीत के अकॉस्टिक वर्जन की मांग भी की थी, जिससे उनकी म्यूजिक में दिलचस्पी का अंदाजा लगाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि कार्तिक और अनन्या पांडे गाने और टीज़र दोनों में शानदार लग रहे हैं, और यह फिल्म बॉलीवुड में रोमांटिक कहानियों की वापसी को मजबूती दे सकती है। गाने के बोल लिखने वाली अनविता दत्त की भी श्रुति पाठक ने जमकर तारीफ की और कहा कि अनविता ने भावनाओं को बेहद खूबसूरती से शब्दों में सजाया है। वह लंबे समय से उनकी प्रशंसक रही हैं और इस प्रोजेक्ट के जरिए साथ काम करना उनके लिए एक खास अनुभव रहा।

उज्जैन संभाग

शिप्रा नदी में डूब रहे मां-बेटे को बचाया, होमगार्ड जवान ने छलांग लगाई और दोनों को बाहर निकाला

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●शिप्रा नदी में नहाते समय एक महिला और उसका दो वर्षीय बेटा गहरे पानी में डूबने लगे। घाट पर मौजूद होमगार्ड सैनिक ने तुरंत नदी में छलांग लगाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। यह परिवार महाराष्ट्र से महाकाल दर्शन के बाद शिप्रा नदी पर स्नान के लिए पहुंचा था। यह घटना बुधवार सुबह रामघाट के आरती स्थल पर हुई। महाराष्ट्र से आए श्रद्धालु परिवार के सदस्य नदी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान गहराई का अंदाजा न होने के कारण महिला और उसका दो वर्षीय पुत्र डुग्गू डूबने लगे।

महिला और उसका मासूम बेटा

परिवारजनों की चीख-पुकार सुनकर घाट पर ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड सैनिक आशीष चौहान ने बिना समय गंवाए तुरंत नदी में छलांग लगा दी। उन्होंने बच्चे और उसकी मां को सुरक्षित बचाकर नदी से बाहर

निकाल लिया। जवान की सतर्कता और त्वरित निर्णय से एक मासूम की जान बचाई जा सकी। इस साहसिक कार्य में सैनिक सन्नी परमार, सैनिक ईश्वर चौधरी और सुरेश सोलंकी ने भी मदद की। शिप्रा नदी के घाटों पर होमगार्ड और एसडीआरएफ के सैनिक श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए लगातार गश्त करते हैं। रामघाट पर तैनात होमगार्ड और एसडीआरएफ के जवानों ने पिछले महीनों में भी कई नागरिकों को डूबने से बचाया है। इस वर्ष के दौरान सैकड़ों श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान डूबने से बचाया गया है। उज्जैन होमगार्ड/एसडीआरएफ के इसी समर्पण और मेहनत के परिणामस्वरूप, 6 दिसंबर को होमगार्ड तथा नागरिक सुरक्षा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट को 51 हजार रुपए की राशि से पुरस्कृत भी किया था।

भगवान महाकाल को अब नहीं चढ़ेगी भारी भरकम फूलमाला, प्रशासक ने 1 जनवरी से प्रतिबंध लगाया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर के शिवलिंग पर भारी भरकम चढ़ने वाली फूल माला (अजगर माला) और मुण्डमाल पर मंदिर समिति ने प्रतिबंध लगा दिया है। एएसआई और जीएसआई की गाइड लाइन का ध्यान रखते हुए करीब 10 किलो से अधिक वजनी मालाओं पर शिवलिंग क्षरण रोकने के लिए मंदिर समिति ने ये फैसला किया है। 1 जनवरी से कोई भी भक्त भगवान महाकाल को 10 से 15 किलो वजनी माला अर्पित नहीं कर सकेंगे। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 1 जनवरी 2026 से भगवान महाकाल को चढ़ने वाली फूलों की बड़ी व भारी माला अर्पित करने पर रोक लगा दी है। मंदिर प्रशासक के आदेश के बाद आगामी नए वर्ष के पहले दिन से इसे पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। इसके लिए अभी महाकाल मंदिर परिसर में उद्घोष हो रहा है कि भगवान के लिए अजगर माला नहीं खरीदें। साथ ही कक्ष से भक्तों को नए नियम की जानकारी देने के लिए लगातार उद्घोषणा भी की जा रही है। मंदिर के आसपास फूल प्रसाद की दुकान संचालित करने वाले व्यवसायियों को मंदिर समिति ने बता दिया है कि फूलों की भारी व बड़ी माला ना तो बनाए और न ही विक्रय करे।

भक्त पुजारी को देते थे चढ़ाने के लिए

500 से 2100 रुपए तक बिकने वाली इन अजगर मालाओं को भक्त खरीद कर शिवलिंग को अर्पित कर रहे थे। भक्त पुजारी को देते और पुजारी भगवान महाकाल को पहना देते थे। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि महाकाल मंदिर के शिवलिंग पर चढ़ने वाले भारी अजगर माला पर आगामी एक जनवरी से प्रतिबंधित कर दिया है।

500 से 2100 रुपए में मिलती 10 माला

पिछले कुछ वर्षों से महाकाल मंदिर के बाहर फूलों की दुकान पर 500 से 2100 रुपए में मिलने वाली अजगर माला को भक्त खरीदकर भगवान को अर्पित कर रहे थे। ये माला फूलों की मोटी व बड़ी माला होती है, जिनका 10 से 15 किलो तक होता था। नया नियम लागू होने के बाद मंदिर के विभिन्न द्वारों पर तैनात गार्ड भक्तों द्वारा भगवान को अर्पण करने के लिए लाई जा रही पूजन सामग्री की जांच करेंगे। बड़ी व भारी फूल माला को गेट पर ही अलग रखवा दिया जाएगा।

क्षरण रोकने के लिए किए उपाय

सुप्रीम कोर्ट ने ज्योतिर्लिंग महाकाल के क्षरण की जांच तथा उसे रोकने के उपाय करने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) तथा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की टीम गठित की थी। विशेषज्ञों ने ज्योतिर्लिंग की सुरक्षित रखने के लिए कई सुझाव दिए। इसमें एक सुझाव भगवान महाकाल को फूलों की छोटी माला तथा समिति मात्रा में फूल अर्पण का था।

सिंहस्थ के लिए निगमायुक्त, महापौर के वित्तीय अधिकार दोगुने

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ-2028 के लिए सरकार ने तैयारियों की गति बढ़ाने के उद्देश्य से उज्जैन निगम कमिश्नर, मेयर और एमआईसी के वित्तीय अधिकार दोगुने कर दिए हैं। बुधवार शाम सिंहस्थ आयोजन के नोडल विभाग नगरीय विकास एवं आवास ने इसके आदेश जारी कर दिए। ये बढ़ी हुई शक्तियां 30 मई 2028 तक लागू रहेंगी। साथ ही, सिंहस्थ से जुड़े कार्यों के लिए शहरी निकायों की सभी वित्तीय शक्तियां मेयर-इन-काउंसिल और प्रेजिडेंट-इन-काउंसिल को सौंप दी गई हैं।

इसलिए बढ़ाए वित्तीय अधिकार: म?हाकुंभ 2028 के लिए उज्जैन में जलापूर्ति, सीवेज और सड़कों के बड़े पैमाने पर कार्य चल रहे हैं। इन्हें समय पर पूरा करने के लिए यह वित्तीय अधिकार बढ़ाए हैं।

बिना नोटिस किसी भी भवन या परिसर में जाकर निरीक्षण का अधिकार

विभाग ने नगरपालिक अधिनियम के सेक्शन 251 के अधिकार अब एमआईसी को दे दिए हैं। इसके तहत निकायों को बिना नोटिस किसी भी भवन या परिसर में जाकर निरीक्षण कर कार्रवाई करने का अधिकार होता है। इसका उद्देश्य नियमों का उल्लंघन, टैक्स वसूली, स्वच्छता और अन्य निरीक्षण कार्य शामिल हैं। यह कदम उज्जैन निगम को अधिक शक्तियां देने के लिए उठाया गया है, ताकि उन्हें बार-बार भोपाल आकर अनुमति न लेनी पड़े। इसके पहले, 2023 में वित्तीय अधिकार बढ़ाए गए थे। मप्र सरकार ने अगस्त 2023 में नगरीय निकायों के वित्तीय अधिकार दोगुना किए थे। इसके अनुसार, मेयर 10 करोड़ तक, निगम कमिश्नर 5 करोड़ तक के कामों को मंजूरी दे सकते हैं। एमआईसी को 20 करोड़ तक के कार्यों की स्वीकृति देने का अधिकार मिला था।

न्यूज ब्रीफ

संभागायुक्त ने तहसील एवं एसडीएम कार्यालय खंडवा का निरीक्षण किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● सम्भागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने बुधवार को संभाग के खण्डवा जिले के एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीएम कार्यालय के निरीक्षण के दौरान भू-अर्जन एवं डायवर्सन से सम्बंधित जानकारी भी ली। उन्होंने एसडीएम ऋषि कुमार सिंघई को राजस्व न्यायालय में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने तहसील न्यायालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने तहसीलदार से नामांतरण, बंटवारे और सीमांकन के लंबित मामलों के संबंध में जानकारी ली, और निर्देश दिए कि नामांतरण, बंटवारे और सीमांकन के लंबित मामलों का शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जाति प्रमाण-पत्र के लिए लंबित आवेदनों का भी निर्धारित समय सीमा में निराकरण किया जाए। इस दौरान कलेक्टर ऋषव गुप्ता भी मौजूद थे।

अवैध रूप से यूरिया का किया जा रहा था परिवहन एवं विक्रय

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार इंदौर जिले में सघन गुण नियंत्रण अंतर्गत गत दिवस जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल एवं विकास खण्ड स्तरीय गुण नियंत्रण दल, महू द्वारा संयुक्त रूप से मेसर्स माहेश्वरी एग्रो सेल्स धार रोड मानपुर के प्रतिष्ठान एवं गोदामों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में प्रतिष्ठान के प्रोपरायटर श्री रजत अजमेरा द्वारा निमरानी खरगोन में अनुदानित यूरिया का अवैध रूप से परिवहन एवं विक्रय किया जाना पाया गया। जिस पर उर्वरक निरीक्षक सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी महू के द्वारा मेसर्स माहेश्वरी एग्रो सेल्स धार रोड मानपुर के प्रोपरायटर रजत अजमेरा के विरुद्ध पुलिस थाना मानपुर में एफ.आई.आर. दर्ज करवाई गई है। इसके साथ ही अधिसूचित प्राधिकारी एवं उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला इंदौर द्वारा जारी मेसर्स के उर्वरक लायसेंस को भी निलंबित कर दिया गया है।

17 सालों से रेल की उम्मीद जल्द होगी पूरी, मिनी बाम्बे 'इंदौर' से धार का होगा सीधा रेलवे कनेक्शन, अब तेज होगा विकास

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार/इंदौर ● मध्य प्रदेश के धार के आदिवासी बहुल इलाकों के लिए लंबे समय से इंतजार की जा रही रेल सेवा अब करीब दिखने लगी है। इंदौर-दाहोद ब्रॉडगेज रेल परियोजना, जिसका भूमिपूजन वर्ष 2008 में हुआ था, लगभग 17 साल बाद अपने अंतिम चरण में पहुंच रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार मार्च 2026 तक इंदौर से धार के बीच पहली ट्रेन चलाई जा सकती है। हालांकि जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों की स्थिति को देखते हुए अनुमान है कि ट्रेनों का संचालन कुछ महीनों और आगे खिसक सकता है।

रेलवे कंस्ट्रक्शन विभाग का कहना है कि परियोजना की सबसे चुनौतीपूर्ण कड़ी टनल निर्माण फरवरी 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। अधिकारियों ने बताया कि अब देरी के किसी भी कारण को खत्म करने के लिए दिनवार टाइमलाइन तय करके काम कराया जा रहा है, क्योंकि पहले टनल ही इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी बाधा रही है।

रेल परियोजना से होगा गांव का विकास

यह परियोजना इंदौर से वडोदरा के बीच सीधी रेल कड़ी प्रदान करेगी। वर्तमान में यात्रियों को रतलाम होकर जाना पड़ता है जिससे समय अधिक लगता है। लगभग 1873 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना का टीही (21 किमी) और दाहोद से कटवारा (11.30 किमी) का कुल 32.30 किमी हिस्सा पहले ही शुरू हो चुका है। टीही से धार के बीच ट्रैक लिंकिंग और मोबिल फ्लैश वेल्डिंग कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है जबकि इस सेक्शन का सीआरएस निरीक्षण फरवरी 2026 तक कराने का लक्ष्य रखा गया है।

इंदौर और मुंबई की दूरी होगी कम

यह नई लाइन न केवल इंदौर-मुंबई की दूरी लगभग 55 किमी कम करेगी, बल्कि गुजरात और महाराष्ट्र से मध्यप्रदेश की कनेक्टिविटी को भी सीधा फायदा मिलेगा। औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर पीथमपुर, को माल परिवहन में बड़ी राहत मिलेगी। वहीं धार, झाबुआ जैसे पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों को पहली बार रेल सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्थानीय विकास, रोजगार और आवाजाही में बड़ा बदलाव आएगा।

टनल निर्माण के बाद पटरियों पर दौड़ेगी ट्रेन

टीही क्षेत्र में बन रही 2.95 किमी लंबी टनल परियोजना का अहम हिस्सा है। इसमें से 1.87 किमी कार्य पूरा किया जा चुका है। बाकी हिस्सों में दीवारों की फिनिशिंग, पानी निकासी के लिए 150 और 400 एमएम की पाइप लाइन बिछाने का कार्य जारी है। पूरी टनल में हर 50 मीटर पर मेन होल बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से पानी की निकासी सुनिश्चित की जाएगी। पाइप चोक होने पर मशीनों की मदद से प्रेशर हवा डालकर उन्हें साफ किया जाएगा। इस टनल में बैलास्ट-लेस ट्रैक बिछाने की तैयारी भी लगभग पूरी है।

मटेरियल ट्रांसपोर्ट के लिए छोड़ा था हिस्सा

तनावपूर्ण और तकनीकी चुनौतियों वाली इस टनल के दोनों छोर—पी-1 और पी-2—पर रेलवे ने पहले मटेरियल आवाजाही के लिए हिस्सा खाली छोड़ा था। एक ओर लगभग 170 मीटर और दूसरी ओर 50 मीटर से अधिक हिस्सा शेष था। बीच का 60 मीटर हिस्सा भी अब तेजी से पूरा किया जा रहा है। प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि अगले दो महीनों में यह काम भी समाप्त कर लिया जाएगा।

मामला सुखलिया में विकसित अवैध कॉलोनी सांईनाथ पैलेस का

अवॉर्ड पारित 200 करोड़ की जमीन पर बसी अवैध कॉलोनी की रजिस्ट्रियां होंगी शून्य

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्राधिकरण पहले तो सोया रहा और जब अवैध कॉलोनी कट गई और भूखंड बिक गए, 40 से अधिक लोगों ने पक्के मकान भी बना लिए, तब क्रय-विक्रय के साथ निर्माण को अवैध घोषित कर रजिस्ट्रियों को शून्य करवाने की कार्रवाई की जा रही है। पूर्व में भी अग्निबाण ने अवॉर्ड पारित और योजना में शामिल 200 करोड़ की जमीन का मामला उजागर किया था। पिछले दिनों प्राधिकरण ने निगम की सहायता से यहां बने 4 मकानों को तोड़ा और अपने बोर्ड भी लगा दिए। सुखलिया स्थित योजना 139 में 80 हजार स्क्वेयर फीट बेशकीमती जमीन पर राजनीतिक संरक्षण के चलते अवैध कॉलोनी सांईनाथ पैलेस ना सिर्फ कट गई, बल्कि नोटरियों पर भूखंड बेचे और कई रजिस्ट्रियां भी उसके आधार पर हो गई।

प्राधिकरण के भू-अर्जन अधिकारी सुदीप मीणा ने भी जाहिर सूचना के माध्यम से सुखलिया खसरा नम्बर

425/1 पार्ट एवं खसरा नम्बर 425/2 पार्ट में शामिल 0.793 हेक्टेयर यानी 80 हजार स्क्वेयर फीट प्राधिकरण की जमीन योजना 139 में समाविष्ट होकर विधिवत अर्जित यानी अवॉर्ड पारित है। इन खसरों पर किसी भी तरह का निर्माण, भूखंडों का क्रय-विक्रय भी अवैध होकर शून्य घोषित किया गया है। मीणा के मुताबिक, पिछले दिनों निगम की सहायता से कुछ मकानों को तोड़ा भी गया था और अब अन्य निर्माणों और मकानों को भी हटाएंगे और उसके साथ ही रजिस्ट्रियों को शून्य करवाने के लिए भी कोर्ट में वाद दायर किया जा रहा है। प्राधिकरण की इस पुरानी योजना 139 में बीते कई समय से अवैध भूखंडों की खरीदी-बिक्री चलती रही और कई बार शिकायतें भी की गई। मगर राजनीतिक दबाव-प्रभाव के चलते प्राधिकरण ठोस कार्रवाई नहीं कर पाया, जिसके चलते लगातार मकान भी बनते गए। 30 से 40 पक्के मकानों का निर्माण मौके पर हो चुका है और कई भूखंडों को नोटरी के जरिए बेचा भी गया और रजिस्ट्रियां भी करवा ली। प्राधिकरण ने इनसे जुड़े दस्तावेजों यानी रजिस्ट्रियों की जानकारी पंजीयन विभाग से भी मांगी है। साथ ही जो जमीनें खाली है और जिन अवैध मकानों को तोड़ा गया, वहां भी प्राधिकरण ने अपने सूचना बोर्ड लगवा दिए हैं। पिछले दिनों प्राधिकरण को शिकायतों के साथ कुछ रजिस्ट्रियों-नोटरियों की कॉपियां भी मिली, जिसके आधार पर जांच-पड़ताल की गई। यह भी महत्वपूर्ण है कि लम्बे समय तक प्राधिकरण खुद अपनी अवॉर्ड पारित जमीन बचाने में असफल रहा। दूसरी तरफ कोई राजनीतिक बोर्ड भी नहीं है।

परिवार में लेन-देन विवाद में अब उत्तम झंवर ने भतीजे श्रेयस पर कराया केस

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर रियल एस्टेट ग्रुप में शामिल झंवर परिवार में पुराना लेन-देन का विवाद काफी बड़ा हो चुका है। ताजा मामले में पंढ़रीनाथ थाने में उत्तम और श्रेयस का विवाद गया है। इसमें उत्तम, श्रेयस के ताऊ लगते हैं। उत्तम ने भतीजे श्रेयस पर मारपीट का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है।

जानकारी के अनुसार उत्तम झंवर ने पंढरीनाथ थाने पर भतीजे श्रेयस के साथ ही उनके बाडीगार्ड अशोक ड्राइवर राजेश के खिलाफ केस कराया है। इनके खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 351, 324 व 126 (3) के तहत केस दर्ज कराया है। वहीं श्रेयस ने कहा कि उन्होंने जुलाई में पहले ऑफिस में मारपीट की थी। चाकू मारे थे, मैंने केस कराया था, इसी कारण यह फर्जी शिकायत की गई।

इसके पहले 23 जुलाई को श्रेयस का विवाद उत्तम झंवर के आफिस में हुआ था। इसमें श्रेयस ने आरोप लगाया था कि वह उत्तम के आफइसर न्यू पलासिया मोर्या हाउस गए थे। वहां अवनेंद्र जोशी, किशोर, विष्णु झंवर व विजय से बकाया हिसाब करने लगा तभी उन्होंने फोन पर उत्तम से बात की और फिर मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। चाकू से भी हमला किया। इस पर पुलिस ने अवनेंद्र, किशोर, विष्णु व विजय पर बीएनएस की धारा 115(2), 118(1), 296, 3(5) व 351(3) के तहत केस दर्ज किया था।

उत्तम झंवर ने द सूत्र से बात करते हुए केस दर्ज कराने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मैंने केस कराया है और अभी मेडिकल चेकअप के लिए अस्पताल आया हूं। दरअसल झंवर परिवार में लंबे समय से विवाद चल रहा है। यह विवाद मुख्य तौर पर श्रेयस के पिता मधुसूदन और उत्तम झंवर के बीच में हैं। इसी लेन-देन हिसाब के लिए जुलाई में श्रेयस, उत्तम के आफिस गए थे जहां विवाद हुआ। बाद में श्रेयस ने इसमें उत्तम के कहने पर आफिस के लोगों द्वारा मारपीट, चाकूबाजी के आरोप लगाते हुए केस कराया था।

किशोर वाधवानी व अन्य की 2002 करोड़ की टैक्स चोरी में सेंट्रल एक्साइज के 71 अधिकारियों का गठजोड़

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश में संभवत: अब तक का सबसे बड़ा टैक्स डिमांड नोटिस सेंट्रल जीएसटी और एक्साइज कमिश्नरेट इंदौर ने गुटखा किंग किशोर वाधवानी और उनके साथियों के खिलाफ जारी किया है। इस खुलासे से पूरे देश में हड़कंप मच गया है। यह खुलासा 9 दिसंबर को किया था।

इस मामले में सेंट्रल एक्साइज विभाग के 71 अधिकारियों पर गंभीर आरोप हैं। इन सभी पर विभाग ने जांच बैठा दी है। विभाग की विजिलेंस विंग ने भी इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

विभाग के नियम के अनुसार जब किसी कंपनी को सिगरेट बनाने का लाइसेंस दिया जाता है तो इसमें फैक्टरी के बाहर 24 घंटे अधिकारी की ड्यूटी तैनात होती है। इसका काम होता है कि तय उत्पादन और नंबर एक में ही उत्पादन हो। कारण है कि इसमें ड्यूटी बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में नंबर दो में माल बनने पर टैक्स चोरी बहुत मात्रा में होती है।

जून 2020 में जब विभाग ने छापा मारा और 2017 से 2020 तक की टैक्स चोरी का हिसाब निकाला, तो सवाल उठा कि जो अधिकारी ड्यूटी पर थे, उन्होंने क्या किया। इसके बाद एलोरो टोबेको कंपनी की फैक्ट्री के बाहर ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों की एक लिस्ट बनाई गई। पता चला

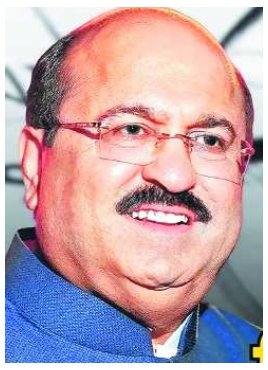

कि इनकी संख्या 71 थी। इन सभी को नोटिस भेजे गए हैं। ये ज्यादातर सुपरिटेंडेंट स्तर के अधिकारी हैं। जब टैक्स डिमांड नोटिस तैयार हो रहा था, तो पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और मामले को सही तरीके से साबित करने के लिए उन 11 अधिकारियों को बुलाया गया, जिनकी ड्यूटी ज्यादा समय तक लगी थी। उनसे पूछताछ की गई और पूछा गया कि यह टैक्स चोरी कैसे हुई और क्या आपने मटेरियल या किसी दूसरी चीज का ध्यान नहीं रखा। इस पर सभी ने साफ-साफ जवाब दिया और कहा कि उन्होंने अपनी ड्यूटी ईमानदारी से की है। उन्हें कोई जानकारी नहीं थी कि पीछे से कोई गुप्त रास्ते से माल लाया-लिया जा रहा था। टैक्स डिमांड के दौरान इसमें से 11 अधिकारी जिनकी ड्यूटी अधिक लगी थी, उनसे पूछताछ की गई थी। इसमें अंकित मीणा, बृजमोहन मीणा, दिनेश कटेकर, कौशल सिंह शेखावत, रवि सिंह, विनायक गजभिए, भरत बाथम, जितेंद्र यादव, मंजूर खान व सुरेश रामभड़ हैं।

वाधवानी और एलोरा ग्रुप ने इस पूरे मामले में मामला लटकाने के लिए काफी लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। यह मामला हाईकोर्ट से होते हुए सुप्रीम कोर्ट तक गया। इस साल, हाईकोर्ट ने आखिरकार याचिकाकर्ता पर दो लाख की पेनल्टी लगा दी और कहा कि वह बेवजह केस को खींच रहे थे। इसके बाद ग्रुप ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की, और 2 दिसंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने यह केस खारिज कर दिया।

अपर मिशन संचालक द्वारा स्वास्थ्य संस्थाओं का किया निरीक्षण

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अपर मिशन संचालक मनोज कुमार सरियाम की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना निर्माण के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। इसी तारतम्य में सेवाओं की उपलब्धता एवं गुणवत्ताओं के संबंध में वस्तुस्थिति जानने के लिए विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं का भ्रमण किया। अपर मिशन संचालक डॉ. मनोज सरियाम द्वारा गत दिवस शासकीय शहरी मुख्यमंत्री संजीवनी क्लिनिक आजाद नगर इंदौर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्था में पदस्थ मेडिकल ऑफिसर डॉ. आर. एस. बोध से प्रदाय की जाने वाली सेवाओं की जानकारी ली गई। उन्होंने ए.एन.सी. रजिस्टर एवं ओ.पी.डी. स्लीप बैंक का अवलोकन कर संतोषजनक व्यक्त किया। साथ ही ओ.पी.डी. संख्या एवं गर्भवती पंजीयन संख्या लेकर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने संस्था में उपलब्ध उपकरणों, सुविधाओं, साफ-सफाई की भी सराहना की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। बुधवार को अपर मिशन संचालक सरियाम द्वारा जिला अस्पताल इंदौर का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का अवलोकन किया और मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा की। अपर मिशन संचालक द्वारा एनसीडी विभाग में रजिस्टर एवं पोर्टल संचालन, एनआरसी में डाइट वितरण एवं साफ-सफाई तथा फोकल प्वाइंट आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

ईडी ने 110 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में कैलाश गर्ग व अन्य के खिलाफ चालान किया पेश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इंदौर ने 110 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में उद्योगपति कैलाश गर्ग और उनके 14 अन्य साथियों के खिलाफ स्पेशल कोर्ट में चालान पेश कर दिया है। कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संज्ञान लिया है। यह केस मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत दायर किया गया है। ईडी ने बताया कि सीबीआई, एसी-IV, व्यापम, भोपाल ने आईपीसी, 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद जांच शुरू हुई। फिर सीबीआई ने मेसर्स नारायण निर्यात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और कई अन्य संस्थाओं और लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया।

इस तरह बैंकों से किया गबन-ईडी की जांच में यह सामने आया कि कैलाश चंद्र गर्ग के नियंत्रण वाली नारायण निर्यात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने यूको बैंक और अन्य बैंकों के एक संघ से साख पत्र (एलसी) और निर्यात पैकिंग क्रेडिट (ईपीसी) के जरिए करीब 110.50 करोड़ रुपए का लोन धोखाधड़ी से लिया था। जांच में यह भी पता चला कि असल में कोई खरीद या निर्यात नहीं किया गया था। इसके बजाय, इस लोन को अंबिका सॉल्वेक्स लिमिटेड और उसकी अन्य समूह कंपनियों के जरिए घुमा दिया गया। ऋण की रकम बाद में व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट लाभ के लिए डायवर्ट कर दी गई, और इसके लिए कैलाश चंद्र गर्ग द्वारा नियंत्रित कंपनियों और फर्मों का नेटवर्क इस्तेमाल किया गया।

ईडी संपत्ति भी कर चुका है अटैच-यूको व अन्य बैंक से 110 करोड़ का बैंक लोन लेकर डिफाल्ट करने वाले इंदौर के कैलाश गर्ग की 1.14 करोड़ और 26.53 करोड़ की संपत्तियां अटैच कर चुका है। इसी मामले में ईडी ने 31 जनवरी 2024 को भूमाफिया चंपू उर्फ रितेश अजमेरा व गर्ग के घर पर छापे भी मारे थे।

सीबीआई ने 2020 में दर्ज की थी एफआईआर-यूको बैंक की शिकायत पर सीबीआई ने 5 नवंबर 2020 पर बैंक लोन घोटाले में मेसर्स नारायण निर्यात इंडिया प्रालि कंपनी मंदसौर, सुरेश गर्ग (निधन

हो चुका), कैलाश गर्ग और दो अन्य अज्ञात लोक सेवक पर 120 बी व 420 की धारा में एफआईआर दर्ज की। इसमें कहा गया कि बैंक लोन लिया गया और इस लोन को गर्ग परिवार दवारा अपनी सिस्टर कंसर्न कंपनी में शिफ्ट कर दिया गया। यह बैंक लोन का फंड सिस्टर कंसर्न कंपनियों नारायण ट्रेडिंग कंपनी, रामकृष्णा साल्वेक्स, पदमावती ट्रेडिंग, मंदसौर सेल्स कॉर्पोरेशन में शिफ्ट हुआ। बैंक ने अपनी रिपोर्ट में यह भी बताया कि इन कंपनियों के डायरेक्टर, लोन लेने वाली कंपनी से ही लिंक थे।

इन तीन बैंकों के पैसे डूबे-यूनियन बैंक एमजी रोड रीगल चिराहा ने 38.44 करोड़ का लोन दिया था। इसमें से 33.44 करोड़ डूब गए, यूको बैंक न्यू पलासिया ने 34.28 करोड़ रुपए का लोन दिया और यह पूरा डूब गया। पंजाब नेशनल बैंक, मनोरमागंज ने 33.84 करोड़ रुपए का लोन दिया और इसमें से 33.44 करोड़ रुपए डूब गए।

गर्ग के खेल में चंपू की भी रही ऐसे भागीदारी-सेटेलाइट हिल कॉलोनी साल 2007 में ही टीएंडसीपी में पास हुई। इसके साथ ही इसमें खरीदी-बिक्री शुरू हो गई। चंपू और योगिता अजमेरा को गर्ग ने कंपनी डायरेक्टर बनाया। बाद में चंपू को प्लाट की सौदे बाजी के अधिकार दिए गए। चंपू ने जमकर बेचे।

चंपू, योगिता रहे थे कंपनी में डायरेक्टर

सेटेलाइट कॉलोनी एवलांच कंपनी जो साल 2008 में चुघ ने बनाई लांच की गई थी। इसके बाद चुघ हट गए और कैलाश गर्ग व सुरेश गर्ग आ गए। बाद में प्रेमलता गर्ग और भगवानदास होटलानी डायरेक्टर बने। गर्ग ने यूको बैंक, पंजाब नेशनल बैंक से 110 करोड़ का लोन लिया। कंपनी ने 10 अप्रैल 2008 को प्रस्ताव पास कर चंपू को डेवलपर्स बनाते हुए सौदे करने की पॉवर ऑप एटार्नी दे दी। वहीं नारायण एंड अंबिका साल्वेक्कस इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी बनी जिसमें क़ॉलोनी के डेवलपर्स का काम लिया। इस कंपनी में चंपू और योगिता दोनों डायरेक्टर बने, यह साल 2009-10 तक डायरेक्टर बने। कॉलोनी के सौदे और बिक्री चंपू ने की। इस मामले में कैलाश गर्ग प्लाट के विवाद पर यह कहता है कि मैंने वह जमीन गिरवी नहीं रखी जो चंपू ने बेची, मैंने दूसरी जमीन गिरवी रख बैंक से लोन लिया था। वहीं चंपू कहता है कि प्लाट की जमीन गर्ग बैंक में गिरवी रख लोन ले चुका है., मैं अब प्लाट, राशि नहीं दे सकता हूं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।